हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 319, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 13 मई, 2023 दिन शनिवार | गाजीपुर/वाराणसी

हम लाभ पहुंचाते समय धर्म या जाति नहीं देखते, यही असली धर्मनिरपेक्षता : मोदी

गुजरात में कांग्रेस पर बरसे प्रधानमंत्री, बोले- हमने गरीबी के खिलाफ लड़ाई की ठोस नींव बनाया

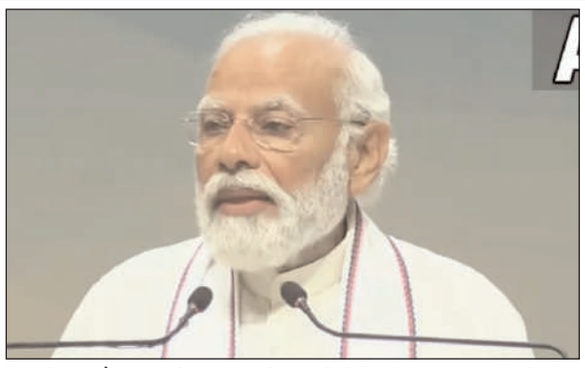

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात के एक दिवसीय दौरे पर हैं। पीएम ने अपने गृह राज्य पहुंचकर सबसे पहले अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक महासंघ के 29वें द्विवार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। जिसके बाद उन्होंने मोदी महात्मा मंदिर में लगभग 4,400 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम ने इस दौरान कांग्रेस पर जमकर हमला किया।

कांग्रेस पर कटाक्ष- पीएम ने गुजरात में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पर कई वार किए। पीएम ने कहा कि हमारी सरकार लाभ पहुंचाते समय धर्म या जाति नहीं देखती और यही असली धर्मनिरपेक्षता होता है। पीएम ने आगे कहा कि हमने 2014 के बाद कांग्रेस की तरह गरीबों के घर को सिर्फ पक्की छत तक सीमित नहीं रखा, बल्कि हमने घर को गरीबी के खिलाफ लड़ाई की ठोस नींव बनाया। पीएम ने आगे कहा कि जिस योजना के जितने लाभार्थी हैं उन तक सरकार खुद पहुंच रही है। इस अप्रोच ने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, भेदभाव खत्म किया है। पीएम ने कहा कि लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए हमारी सरकार न जाति देखती है और न धर्म क्योंकि मैं सोचता हूं कि जहां कोई भेदभाव नहीं है वहीं सच्ची धर्मनिरपेक्षता है।

पीएम आवास योजना से महिला सशक्तिकरण- मोदी ने कहा कि पीएम आवास योजना गरीबों के साथ ही महिला सशक्तिकरण को भी ताकत दे रही है। पिछले 9 सालों में करीब 4 करोड़ पक्के घर गरीब परिवारों को मिल चुके हैं, जिसमें से 70 फीसद घर महिला लाभार्थियों के नाम पर हैं। ये वह बहनें हैं जिनके नाम पर पहली बार कोई प्रॉपर्टी रजिस्टर हुई है।

जम्पिंग के दौरान हाइटेंशन लाइन में उलझा पैराशूट, कमांडो अंकुर शर्मा की गई जान

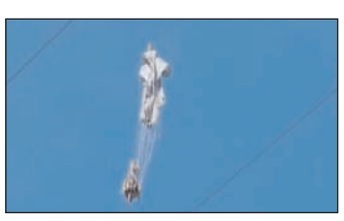

आगरा। आगरा में पैराशूट जम्पिंग के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मलपुरा थाना क्षेत्र में पैराशूट जम्पिंग के दौरान कमांडो का पैराशूट हाइटेंशन लाइन में उलझ गया। ये देख किसानों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। कमांडो अंकुर शर्मा को उपचार के लिए मिलिट्री हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी जान चली गई। बताया गया है कि मलपुरा के ड्राप जोन से दूर पैराशूट हाइटेंशन लाइन में उलझ गया था। जिसके बाद हाईटेंशन लाइन से कमांडो नीचे गिरे। ये देख स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। बताया गया है कि कमांडो अंकुर शर्मा जम्मू कश्मीर में तैनात थे। गांव मलपुरा के रहने वाले सेना के जवान रूप सिंह ने बताया कि वह छुट्टी पर आए हुए हैं। जैसे ही उनके खेत पर लगी पानी की समर के पास एक जवान हाई टेंशन लाइन में उलझ कर नीचे गिरा, तो उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सेना के जवानों को इलाज के लिए भेज दिया। हालांकि उस वक्त जवान की हालत खराब थी। जवान में दर्द से कराह रहा था।

डिफ्यूज करते वक्त फट गया बम, घायल हुआ असम राइफल्स का जवान

इंफाल। मणिपुर के विष्णुपुर जिले में एक बड़ी घटना घटी है। एक बम को निष्क्रिय करते वक्त असम राइफल्स का जवान घायल हो गया है। बम निष्क्रिय वक्त वो फट गया, जिसमें जवान घायल हो गया। बताया जा रहा है कि बम फटने का मामला साउथ इंफाल से 60 किमी दूर सैतान गांव का है। आर्मी के हवाले से इसकी जानकारी दी गई है। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि स्थानीय तौर पर देशी बम बनाया गया था। उन्होंने बताया कि आर्मी जवान इसे निष्क्रिय करने की कोशिश कर रहा था, इसी दौरान वह घायल हो गया। जवान को ज्यादा चोट नहीं आई है। बता दें कि एक दिन पहले विष्णुपुर जिले में तेरा खोंगफंगबी के पास संदिग्ध आतंकवादियों ने एक पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस आतंकी हमले में चार लोग घायल भी हुए थे। अधिकारियों ने कहा कि आतंकियों को पकड़ने के लिए तब से ही क्षेत्र में पुलिस और सेना तलाशी अभियान चला रही है। गौरतलब है कि मणिपुर में हाल ही में आदिवासी प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी। मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में मार्च हुआ था। इस दौरान हिंसा भड़क गई थी।

गाजियाबाद की छात्रा आस्था मिश्रा के 99.4% अंक, इस बार भी लड़कों से आगे रहीं लड़कियां

नोएडा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं कक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। इस साल 12वीं कक्षा में 87.33 प्रतिशत स्टूडेंट उत्तर्णी हुए हैं। छात्राओं का पास प्रतिशत लड़कों की तुलना में छह फीसदी अच्छा है। छात्राओं का पास प्रतिशत 90.68 रहा है, जबकि छात्रों का पास प्रतिशत 84.67 रहा है। सीबीएसई के 38 लाख छात्र अपने परीक्षा परिणाम का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। सीबीएसई कक्षा 12 का रिजल्ट जारी हो चुका है। इस बार कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 87.33% है। त्रिवेंद्रम रीजन 99.91 पास प्रतिशत के साथ टॉप पर है। लड़कियां 90.68 पास प्रतिशत के साथ लड़कों से 6.01% आगे हैं। अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा से बचने के लिए सीबीएसई अपने छात्रों को फर्स्ट, सेकेंड और थर्ड डिवीजन नहीं देगा। आपको बता दें कि पिछले साल सीबीएसई बोर्ड में 91.25 फीसदी छात्र पास हुए थे, जबकि इस वर्ष 84.67% छात्र ही उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं पिछले वर्ष 94 फीसदी छात्राएं पास हुई थीं, जबकि इस वर्ष 90.68 प्रतिशत छात्राएं ही पास हुई हैं। नोएडा के कैम्ब्रिज स्कूल की छात्रा कीर्ति शर्मा ने 93 फीसदी अंक हासिल किए हैं। वहीं, सीबीएसई 12वीं में गौतमबुद्धनगर का परिणाम 87.33 प्रतिशत रहा। जिले में 18476 छात्रों ने 12वीं की परीक्षा दी थी। 16136 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। नोएडा क्षेत्र का परिणाम 80.36 प्रतिशत रहा। इंदिरापुरम के सेंट टेरेसा स्कूल की आस्था मिश्रा ने सीबीएसई 12वीं में 99.4% हासिल किए। ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम की आस्था वैशाली सेक्टर एक में रहती हैं। गाजियाबाद स्थित डीपीएसजी मेरठ रोड में सीबीएसई 12वीं के नतीजे आने के बाद छात्र छात्राएं काफी उत्साहित हैं। जेके जी इंटरनेशनल स्कूल इंदिरापुरम की छात्रा वासु श्री प्रसाद ने 12वीं में 99.2 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में दूसरा स्थान पाया है। साहिबाबाद के वैशाली सेक्टर एक की रहने वाली आस्था मिश्रा 99.40 फीसदी अंक हासिल कर जिले में पहले स्थान पर रही। भविष्य में यह बीए एलएलबी हॉर्नस कर वकालत करना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि बिना कोचिंग स्कूल की पढ़ाई को फोकस उन्होंने अपनी तैयारी की। रोजाना दो से तीन घंटे की पढ़ाई कर सोशल मीडिया और टीवी भी देखती थी। आस्था ने कहा कि परीक्षा की तैयारी करते हुए उन्होंने कभी तनाव नहीं लिया। कक्षा दस में आस्था ने 95.4% अंक हासिल किए थे। आस्था के पिता विकास मिश्र पत्रकार हैं। उनकी माता शुक्रिया गृहणी है।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट में इमरान खान की पेशी के दौरान हंगामा, कोर्ट रूम छोड़कर गए जज

इस्लामाबाद। भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किए गए पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तोशाखाना मामले में राहत मिली है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने अभियोग पर स्थगन आदेश जारी किया है। दूसरी ओर अल-कादिर ट्रस्ट मामले में जमानत को लेकर सुनवाई के लिए इमरान इस्लामाबाद हाई कोर्ट पहुंच गए हैं, जहां सुनवाई शुरू होते ही हंगामा मच गया। पेशी के दौरान इमरान समर्थक वकीलों ने कोर्ट रूम में इमरान के नारों से हंगामा कर दिया, जिससे जज रूम छोड़कर चले गए। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने बीते दिन उनकी गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया और उनकी तत्काल रिहाई का आदेश दिया। साथ ही उन्हें हाई कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था।

पुलिस लाइन गेस्ट हाउस में रह रहे इमरान- फिलहाल वह पुलिस लाइन के गेस्ट हाउस में हैं और वहीं से आज सीधे हाई कोर्ट पहुंचेंगे। इस्लामाबाद हाई कोर्ट सुबह 11 बजे भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई होगी। बीती शाम को इमरान ने अपने समर्थकों से शांति की अपील करते हुए दावा किया कि हिरासत में उन्हें डंडों से पीटा गया। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यवहार किसी अपराधी के साथ भी स्वीकार नहीं है।

इमरान बोले- **मुझे आतंकी समझा गया**- पूर्व पीएम ने कहा कि उनके खिलाफ 145 केस दर्ज हुए हैं और उनकी गिरफ्तारी एक आतंकी की तरह की गई। वहीं, चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल, जस्टिस मुहम्मद अली मजहर और जस्टिस अतर मिनल्लाह की तीन सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट परिसर से उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि उनपर यह कार्रवाई अवैध थी। बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) पार्टी के प्रमुख इमरान खान को मंगलवार को अर्धसैनिक बलों ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट से गिरफ्तार किया था। पीठ ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को इमरान को स्थानीय समयानुसार शाम साढ़े चार बजे तक पेश करने का निर्देश दिया था। खान को कड़ी सुरक्षा में अदालत लाया गया।

मुख्तार के करीबी जितेंद्र की तलाश में ईडी ने मारा छापा, अफशां अंसारी की फरारी में मदद का आरोप

लखनऊ। माफिया मुख्तार अंसारी के करीबी प्रयागराज निवासी जितेंद्र सापरा की तलाश में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बीते दो दिन के दौरान दिल्ली, प्रयागराज और लखनऊ में छापे मारे, हालांकि वह पहले फरार होने में कामयाब हो गया। मुख्तार के ससुर जमशेद राना की कंपनी आगाज कंस्ट्रक्शन के पार्टनरों में शामिल जितेंद्र सापरा पर मुख्तार की काली कमाई को रीयल एस्टेट के कारोबार में खपाने का आरोप है। ईडी को ये भी जानकारी मिली है कि मुख्तार की पत्नी अफशा अंसारी की फरारी में भी जितेंद्र की अहम भूमिका है। दरअसल, ईडी ने मुख्तार के दो करीबियों जितेंद्र सापरा और गणेश दत्त मिश्रा को गिरफ्तार करने के लिए अदालत से गैर जमानती वारंट लेने के बाद जितेंद्र सापरा की तलाश में बुधवार और बृहस्पतिवार को दिल्ली, प्रयागराज और लखनऊ के ठिकानों पर छापा मारा है। लखनऊ में डालीबाग स्थित मुख्तार के साले के आवास पर ईडी की टीम पहुंची थी। ईडी की जांच में सामने आया कि मुख्तार की कई संपत्तियों का जितेंद्र सापरा बेनामीदार है। ये संपत्तियां दिल्ली, लखनऊ और वाराणसी में खरीदी गई हैं। ईडी ने मुख्तार के करीबी मऊ निवासी गणेश दत्त मिश्रा के खिलाफ भी वारंट हासिल किया है। अधिकारियों के मुताबिक जितेंद्र सापरा और

गणेश दत्त मिश्रा अफशां अंसारी की विकास कंस्ट्रक्शन और आगाज कंस्ट्रक्शन में निवेश होने वाली रकम को रीयल एस्टेट में खपाने का काम करते थे। दोनों का गठजोड़ मुख्तार की तरक्की की सबसे बड़ी वजह माना जा रहा है। आगाज कंस्ट्रक्शन में मुख्तार के ससुर जमशेद राणा की सक्रिय भूमिका नहीं पाई गई है। जांच में पता चला है कि इसका असली कर्ता-धर्ता जितेंद्र सापरा है।

सीएम योगी मंत्रियों-विधायकों के साथ देखने पहुंचे 'द केरल स्टोरी', भूपेंद्र चौधरी ने कहा...

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लोकभवन में चर्चित फिल्म 'द केरल स्टोरी' देखने पहुंचे। उनके साथ मंत्रिमंडल के सभी सदस्य भी मौजूद हैं । इस फिल्म की विशेष स्क्रिनिंग का आयोजन यूएफओ सिने मीडिया नेटवर्क के सहयोग से किया गया है। बता दें कि केरल में हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराने के साथ ही उन्हें आतंकी बनाने से संबंधित घटनाओं पर आधरित इस फिल्म की विषय वस्तु को लेकर देश भर में विवाद चल रहा है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु ने फिल्म के प्रदर्शन पर अपने-अपने राज्यों में जहां प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, मुख्यमंत्री इस फिल्म को यूपी में टैक्स फ्री करने की घोषणा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री सुरेश खन्ना सहित ज्यादातर मंत्री और विधायक शामिल हैं। इसके अलावा विद्यार्थी परिषद के कुछ स्टूडेंट भी फिल्म देख रहे हैं। केरल स्टोरी देखने के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि मेरा व्यक्तिगत ऐसा मानना है कि, यह एक फि ल्म नहीं बल्कि सत्य कथाओं पर आधारित आतंकवाद की वास्तविकता है, जिसमें @adah_sharma ने अपने कुशल अभिनय के माध्यम से हमारी बहन-बेटियों के साथ हो रहे षड्यंत्र को बखूबी उजागर किया है। सिनेमा के माध्यम से हमारे समाज को आतंकवादी गतिवधियों से सचेत कर रही इस अदभुत फिल्म को उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री करने लिए मुख्यमंत्री योगी का हृदय से आभार करता हूं। समस्त प्रदेशवासियों से निवेदन है कि उन्हें इस फि ल्म को जरूर देखना चाहिए, जिससे आप किसी गलतफहमी का शिकार होने से खुद को एवं अपने परिवार को भी बचा सकते हैं।

एससी ने गुजरात के 68 न्यायाधीशों की पदोन्नति पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को गुजरात के 68 न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति पर रोक लगा दी है। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि मामले के एक मामले में दोषी करार देने वाले सूरत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरीश हसमुखभाई वर्मा भी शामिल है। जस्टिस एमआर शाह और सी टी रविकुमार की पीठ ने कहा कि गुजरात राज्य न्यायिक सेवा नियम 2005 के अनुसार, जिसे 2011 में संशोधित किया गया था, पदोन्नति योग्यता-सह-वरिष्ठता के सिद्धांत और उपयुक्तता परीक्षण पास करने पर की जानी चाहिए। पीठ ने कहा, "हम इस बात से अधिक संतुष्ट हैं कि उच्च न्यायालय द्वारा जारी की गई विवादित सूची और जिला न्यायाधीशों को पदोन्नति देने के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी किया गया आदेश अवैध और इस अदालत के फैसले के विपरीत है। इसलिए, ये टिकाऊ नहीं हैं।" पीठ ने आगे कहा, "हम पदोन्नति सूची के कार्यान्वयन पर रोक लगाते हैं। संबंधित पदोन्नतियों को उनके मूल पद पर भेजा जाता है, जो वे अपनी पदोन्नति से पहले धारण कर रहे थे।" पीठ ने पदोन्नति पर रोक लगाते हुए एक अंतरिम आदेश पारित किया और निर्देश दिया कि मामले की सुनवाई एक उपयुक्त पीठ द्वारा की जाए, क्योंकि न्यायमूर्ति शाह 15 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। शीर्ष अदालत जिला जजों के उच्च कैडर में 68 न्यायिक अधिकारियों के चयन को चुनौती देने वाली वरिष्ठ सिविल जज कैडर के अधिकारियों, रविकुमार महेता और सचिन प्रतापराय मेहता की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।दोनों याचिकाकर्ता गुजरात सरकार के विधि विभाग में अंडर सेकेट्री और राज्य विधि सेवा प्राधिकरण में सहायक निदेशक हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों न्यायिक अधिकारियों की याचिका पर 13 अप्रैल को गुजरात सरकार और हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को नोटिस जारी किया था। शीर्ष अदालत ने मामला लंबित होने के बावजूद न्यायिक अधिकारियों के प्रमोशन का फैसला करने और इस संबंध में 18 अप्रैल को आदेश पारित करने को लेकर काफी आलोचना की थी।

विधायकों की अयोग्यता पर उद्धव बोले- स्पीकर जल्द फैसला लें, अगर गलत करेंगे तो हम फिर कोर्ट जाएंगे

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने एक बार फिर शिंदे सरकार पर निशाना साधा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर उन्होंने कहा कि इस वर्तमान सरकार को अंतरिम राहत है। स्पीकर को जल्द से जल्द मामले पर फैसला लेना चाहिए। अगर वे कोई गलत फैसला देते हैं, तो हम फिर कोर्ट जाएंगे। राज्यपाल पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को लेकर उद्धव ने कहा कि उन्होंने जो गैरकानूनी काम किया है उसके लिए मुझे लगता है कि उनके खिलाफ मुकदमा चलना चाहिए। राज्यपाल किसी कानून के तहत नहीं आते तो इसका मतलब यह नहीं है कि वे अपनी मनमर्जी करें। उद्धव ठाकरे की नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की उद्धव ठाकरे की मांग पर NCP नेता अजित पवार ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा सीएम एकनाथ शिंदे से नैतिक आधार पर इस्तीफा मांगने की जरूरत नहीं है। हम जानते हैं कि वह सपने में भी इस्तीफा नहीं देंगे। पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी और वर्तमान लोगों के बीच एक बड़ा अंतर है। विधानसभा से 16 विधायकों की अयोग्यता पर राकांपा नेता ने कहा कि अगला विधानसभा सत्र जुलाई के महीने में आयोजित किया जाएगा। हम अपने अधिकारों का उपयोग यह देखने के लिए करेंगे कि हम इस

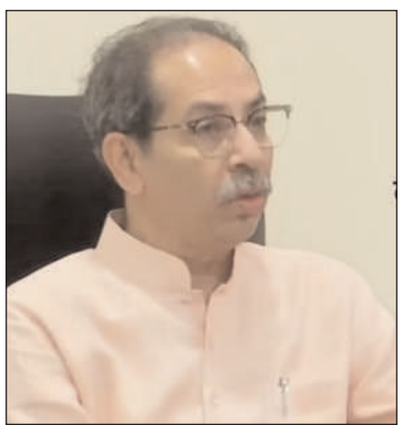

मुद्दे के बारे में क्या कर सकते हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नारवेकर ने कहा था कि राजनीतिक दल के रूप में कौन सा गुट असली शिवसेना है? अब सबसे पहले यह तय करना होगा। उचित समय के भीतर मैं यह प्रक्रिया पूरी करूंगा और उसके बाद विधायकों की अयोग्यता के मसले का निपटारा किया जाएगा। राहुल नारवेकर फिलहाल लंदन में हैं और उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करता हूं। शीर्ष अदालत ने स्पीकर को राजनीतिक दल को मान्यता देने की जिम्मेदारी सौंपी है। मैं इस प्रक्रिया को उचित समय के भीतर पूरा करूंगा। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुसार, सभी याचिकाकताओं को बयान देने और अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाएगा। इस प्रक्रिया में दावों की जांच और उस पर बहस भी होगी। नारवेकर ने यह भी दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट ने विधायकों को अयोग्य घोषित करने के उनके पक्ष को बरकरार रखा है। अदालत ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिका पर फैसला करना स्पीकर का विशेषाधिकार होगा। मैं लगातार कह रहा हूं कि (इस मामले पर) अध्यक्ष को फैसला करना है।

त्रिपुरा में दो नाबालिग आदिवासी लड़कियों से गैंगरेप, पुलिस गिरफ्त में एक आरोपी

अगरतला। त्रिपुरा के गोमती जिले में दो नाबालिग आदिवासी लड़कियों से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में मुख्य आरोपी तिंहरिया के मोलाराय जामातिया को गिरफ्तार किया गया है। शेष आठ आरोपी अभी भी फरार हैं। सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) ज्योतिष्मान दास चौधरी ने बताया कि दोनों लड़कियां बुधवार को जिले के अमरपुर शहर में एक वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'बैशाकी मेला' में शामिल होने आई थीं। इस दौरान वह मोलाराय से मिलीं।

बता दें, एक नाबालिग की आरोपी से फेसबुक से दोस्ती हुई थी। एआईजी ने बताया कि आरोपी नाबालिगों को बुधवार रात स्कूटर पर चेचुआ स्थित रबड़ के बागान में ले गया था। वहां पहले से ही सात से आठ लोग मौजूद थे। इन लोगों ने दोनों लड़कियों के साथ दुष्कर्म किया। अगले दिन सुबह होते ही मोलाराय ने दोनों को अमरपुर छोड़ दिया। बाद में, दोनों पीड़िता ने बीरगंज पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत दी।

इस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोलाराय को गिरफ्तार कर लिया। चौधरी ने कहा कि हमने मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहे हैं। जांच प्रक्रिया के तहत पीड़ितों का मेडिकल परीक्षण किया गया है। त्रिपुरा में लगातार दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं से राज्य के महिला आयोग में रोष दिखा। त्रिपुरा महिला आयोग (टीसीडब्ल्यू) ने दो आदिवासी लड़कियों के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना की निंदा की है। टीसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन बरनाली गोस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि यह चौंकाने वाला है कि अमरपुर के चेचुआ इलाके में युवकों के एक समूह ने दो लड़कियों के साथ दुष्कर्म किया।

संपादकीय

दहशत के ठिकाने

पहला विस्फोट बीते शनिवार को हुआ था, फिर सोमवार को और अब गुरुवार को तड़के हुआ। जब पहला विस्फोट हुआ था तो पुलिस ने उसे रसोई की चिमनी में हुआ विस्फोट बता कर नजरअंदाज कर दिया था। दूसरे विस्फोट के बाद भी वह सतर्क नहीं हुई, जबकि वह पहले वाले विस्फोट से अधिक ताकतवर था। जब तीसरा विस्फोट हुआ तभी उसके कान खड़े हुए। पुलिस अब भी यही कह रही है कि आरोपी पटाखे बनाने वाली सामग्री से विस्फोट कर दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे थे। मगर उनका असल इरादा क्या है, यह अभी खुलासा नहीं किया गया है।पंजाब में पिछले कुछ समय से उपद्रवी तत्त्व लगातार सक्रिय देखे जा रहे हैं। अलगाववादी तत्त्व सिर उठाते देखे गए हैं। खालिस्तान की मांग फिर से उठने लगी है। कुछ दिनों पहले ही वारिस पंजाब दे संगठन के अमृतपाल सिंह ने खालिस्तान की मांग उठाते हुए वहां की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी थी। पुलिस की घेराबंदी के बीच से भाग निकला था और काफी मशक्कत के बाद वह पुलिस की गिरफ्त में आ सका। इन सबके बावजूद, हैरानी की बात है कि स्वर्ण मंदिर जैसी संवेदनशील जगह पर विस्फोट के बाद भी पंजाब पुलिस शिथिल बनी रही। सीमावर्ती राज्य होने की वजह से पंजाब को आतंकी गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील राज्य माना जाता है। अमृतसर में इस लिहाज से और चौकसी की अपेक्षा की जाती है। स्वर्ण मंदिर परिसर और उसके आसपास के इलाके में विशेष तौर पर कड़ी नजर रखी जाती है। फिर भी कुछ शरारती तत्त्व स्वर्ण मंदिर में न सिर्फ पनाह पाने, बल्कि वहां विस्फोटक तैयार करने में कैसे कामयाब हो गए। जैसा कि शुरूआती विवरणों से पता चल रहा है कि वे ताकतवर विस्फोटक तैयार करने का प्रयोग कर रहे थे। जाहिर है, वे नौसिखिया और सिरफिरे नहीं हैं। उनका मकसद स्पष्ट है। पंजाब पुलिस की शिथिलता का ही नतीजा है कि वे तीन बार विस्फोट करने में कामयाब हो गए। हालांकि पुलिस ने उनके पास से जो पर्चे और मोबाइल फोन से संदेश आदि इकट्ठा किए हैं, उससे उन तक भी पहुंचने का सूत्र मिलेगा, जिनके हाथों में इन्हें संचालित करने का यंत्र है। उनका मकसद क्या है और उन्होंने क्यों स्वर्ण मंदिर को दहशत फैलाने की जगह के रूप में चुना, यह सब अभी साफ होना है। स्वर्ण मंदिर पहले ही खालिस्तान आंदोलन के समय में अलगाववादियों का ठिकाना रह चुका है। हालांकि अब न तो पहले जैसा स्थानीय लोगों का उस आंदोलन को समर्थन है और न इस आंदोलन के जोर पकड़ने की कोई गुंजाइश नजर आती है। मगर कनाडा आदि देशों में बैठे कुछ आपराधिक वृत्ति के लोग सिख भावनाओं को भड़काने का प्रयास करते रहते हैं और उनके तार पाकिस्तान से भी जुड़े हुए हैं। इसलिए ज्यादा खतरा पाकिस्तानी दहशतगर्दों को पंजाब में अपनी साजिशों को अंजाम देने का रहता है। पंजाब पुलिस इस तथ्य से अनजान नहीं। फिर भी वह कैसे इतनी लापरवाही बरत रही है कि कुछ उपद्रवी तत्त्व धमाके करने, सिख पंथ के नाम पर लोगों को भड़काने आदि जैसी गतिविधियों को अंजाम दे पा रहे हैं। सवाल खुफिया एजंसियों की सक्रियता पर भी उठता है कि उन्हें ऐसी गतिविधियों की भनक तक कैसे नहीं मिल पा रही।

कौन कितना पानी!

आएगा परिणाम अब ।
कौन कितना पानी ।।
कर्नाटक ने किसकी ।
क्या लिखी कहानी ।।
हैं तैयार बैठे ।
पाने को वह फल ।।
तय होगा भविष्य ।
और सुनहरा कल ।।
होगा किसका खात्मा ।
किसको जीवनदान ।।
है किसने बनायी ।
अलग अब पहचान ।।
बहुमत है या अल्पमत ।
इंतजार की बारी ।।
आ रही ना नींद ।
बढ़ी बेकरारी ।।

–कृष्णेन्द्र राय

चिकित्सा क्षेत्र में सहायकों की कमी

विश्व बैंक की एक रपट में कहा गया है कि अच्छे वेतनमान और सुविधाओं के लोभ में आज भी विकासशील देशों से बड़ी संख्या में नर्सें विकसित देशों में नौकरी के लिए जाती हैं, जिससे विकासशील देशों को प्रशिक्षित नर्सों की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। किसी भी राष्ट्र के नागरिकों की स्वास्थ्य रक्षा में नर्सों की भूमिका हमेशा से महत्त्वपूर्ण रही है, लेकिन कोरोना काल में इनका योगदान सबसे उल्लेखनीय रहा। इस बुरे दौर में नर्सें स्वयं संक्रमित होने के खतरे के बावजूद अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों के इलाज और उनके प्राण बचाने में जुटी रहीं। कोरोना काल में नर्सों की अहम भूमिका से इतर देखें तो सामान्य दिनों में भी जब पेशेवर डाक्टर दूसरे मरीजों को देखने में व्यस्त रहते हैं, तब अस्पतालों में भर्ती मरीजों की चौबीसों घंटे देखभाल का उत्तरदायित्व नर्सों पर ही रहता है। इसलिए उनसे उम्मीद की जाती है कि वे रोगियों का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ उनकी बीमारी को नियंत्रित करने में मित्रवत व्यवहार करें तथा उनके प्रति स्नेहशीलता का परिचय दें।

यही कारण है कि रोगियों की उचित देखभाल के लिए नर्सों का शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक स्तर पर शिक्षित, प्रशिक्षित तथा अनुभवी होना बहुत महत्त्वपूर्ण माना जाता है। नर्सिंग एक ऐसा कार्यक्षेत्र है, जिससे जुड़े लोग कभी बेरोजगार नहीं रहते। सरकारी और निजी अस्पतालों, सैन्य बलों, नर्सिंग होम, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों तथा कुछ अन्य क्षेत्रों में ऐसे लोगों को रोजगार उपलब्ध हो ही जाता है। वैसे नर्सों का कार्य सिर्फ मरीजों की देखभाल तक सीमित नहीं होता, बल्कि योग्य नर्सों के लिए शैक्षिक, प्रशासनिक और शोध कार्यों से संबंधित अवसर भी उपलब्ध होते हैं। दुनिया में अधिकांश देशों में प्रशिक्षित नर्सों की कमी है, लेकिन विकासशील देशों में यह कमी कुछ अधिक देखने को मिलती है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अच्छे वेतनमान और सुविधाओं के लोभ में आज भी विकासशील देशों से बड़ी संख्या में नर्सें विकसित देशों में नौकरी के लिए जाती हैं, जिससे विकासशील देशों को प्रशिक्षित नर्सों की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में अमीर और गरीब दोनों प्रकार के देशों में नर्सों की कमी है। विकसित देश अपने यहां नर्सों की कमी को अन्य देशों से नर्सें बुलाकर पूरा कर लेते हैं और उनको वहां पर अच्छा वेतन और सुविधाएं देते हैं, जिससे नर्सें विकसित देशों में जाने में देर नहीं करतीं।

दूसरी ओर विकासशील देशों में नर्सों को अधिक वेतन और सुविधाओं की कमी रहती है और आगे का भविष्य भी अधिक उज्ज्वल नहीं दिखाई देता, जिससे वे विकसित देशों के बुलावे पर नौकरी के लिए चली जाती हैं। भारत में महानगरों तथा बड़े शहरों में चिकित्सा व्यवस्था कुछ ठीक होने के कारण इन इलाकों में नर्सों की संख्या में इतनी कमी नहीं है, जितनी कि छोटे शहरों और गांवों में है। किसी भी देश में नर्सों की कमी उस देश की खराब चिकित्सा व्यवस्था को बताती है। नर्सों की कमी का सीधा प्रभाव नवजात शिशु और बाल मृत्यु दर पर भी पड़ता है। अच्छे वेतन और सुविधाओं के लिए पहले जितनी अधिक संख्या में प्रशिक्षित नर्सें विदेश जाती थीं, आज उसमें कुछ कमी आई है। दरअसल आज सरकारी अस्पतालों में नर्सों को अच्छा वेतन और अन्य सुविधाएं मिल रही हैं, जिससे उनकी स्थिति सुदृढ़ हुई है और यही कारण है कि भारत से प्रशिक्षित नर्सों का पलायन कुछ हद तक रुका है। हालांकि तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि कुछ राज्यों तथा गैर-सरकारी क्षेत्रों में नर्सों की स्थिति आज भी संतोषजनक नहीं है, जहां उन्हें लंबे समय तक कार्य करना पड़ता है और फिर भी वे सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पातीं, जिनकी वे हकदार हैं।

भारत में विदेश के लिए नर्सों के पलायन में पहले की अपेक्षा कमी आने के बावजूद रोगियों की संख्या में लगातार वृद्धि होने के कारण रोगी और नर्स के अनुपात में अंतर बढ़ा है। कुछ समय पहले तक विदेश से शानदार पेशकश के चलते देश से बड़ी संख्या से नर्सिंग प्रतिभाओं का पलायन हुआ, जिसके चलते हमारे यहां नर्सिंग पेशेवरों की संख्या में काफी गिरावट दर्ज की गई। मगर कुछ समय से भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा देश में नर्सिंग व्यवस्था को पुनर्जीवित करने और नर्सों की कमी के मामले में स्थिति में सुधार के लिए जो कदम उठाए जा रहे हैं, वे काबिले-तारीफ हैं। मगर अब भी यही देखने में आ रहा है कि चिकित्सकों, नर्सिंग कर्मियों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को दूर करने के आधे-अधूरे प्रयास ही हो रहे हैं। भारत में वर्तमान में प्रति एक हजार लोगों पर लगभग 1.7 प्रशिक्षित नर्सें ही हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) द्वारा प्रति एक हजार लोगों पर चार नर्सों के मानदंड के विपरीत है। इस संबंध में इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आइएनसी) का कहना है कि काम करने की खराब स्थिति और कम वेतन देश से नर्सों के पलायन का सबसे बड़ा कारण है। हालांकि विश्वभर में प्रशिक्षित नर्सों की मांग को देखते हुए भारत में भी युवाओं का इस पेशे की ओर रूझान बढ़ा है। कुछ समय पहले तक नर्सिंग क्षेत्र पर महिलाओं का ही एकाधिकार माना जाता था, लेकिन अब पुरुष भी इस क्षेत्र में भागीदारी कर रहे हैं। नर्सिंग न केवल दुनिया भर में एक सम्मानजनक पेशा माना जाता है, बल्कि इसे दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य पेशे के रूप में भी जाना जाता है। यही कारण है कि सरकारों द्वारा भी नर्सिंग क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए कई महत्त्वपूर्ण योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं और अब देश भर में जनरल नर्सिंग मिडवाइफरी (जीएनएम) तथा आग्जिलरी नर्सिंग मिडवाइफरी (एएनएम) कालेज खोले जाने की योजना है, ताकि देश में प्रशिक्षित नर्सों की कमी को पूरा किया जा सके।

इसी कड़ी में इस वर्ष पेश किए गए बजट में नए नर्सिंग कालेज सह-संस्थान स्थापित करने के लिए 570 करोड़ रुपए खर्च करने की घोषणा की गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक आगामी दो वर्षों में 157 नए नर्सिंग कालेजों की स्थापना की जानी है। फिलहाल भारत में कुल 5324 नर्सिंग संस्थान हैं, जो दो वर्षों के बाद बढ़ कर 5481 हो जाएंगे, जिससे प्रतिवर्ष स्नातक होने वाले छात्रों की संख्या में बढ़ोतरी के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में नर्सों की कमी भी कुछ हद तक पूरी होने की उम्मीद है। माना कि 157 नए सरकारी नर्सिंग कालेज खुलने से बेरोजगार युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के नर्सिंग स्टाफ में कुछ बढ़ोतरी होगी लेकिन डब्लूएचओ के मानदंडों के मुकाबले देश में नर्सों की संख्या पहले ही इतनी कम है कि उसकी पूर्ति इतने भर नर्सिंग कालेजों से हो पाना संभव नहीं है। वास्तविकता यही है कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की दशा और दिशा सुधारने के लिए सरकारों द्वारा कितनी ही बड़ी-बड़ी घोषणाएं की जाती रही हों, पर कोरोना संक्रमण के भयावह दौर में देश का स्वास्थ्य ढांचा किस प्रकार चरमराता दिखाई दिया था, वह सभी ने देखा। ऐसे में सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी बहुत सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है। नर्सिंग स्टाफ किसी भी अस्पताल की रीढ़ माना जाता है, लेकिन आज भी खासकर बहुत सारे ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच इतनी कमजोर है कि अस्पतालों में चिकित्सक तो दूर, नर्सिंग स्टाफ ही उपलब्ध नहीं होता। ऐसे में बेहद जरूरी है कि सबसे पहले सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नए नर्सिंग कालेज खोलने की जो घोषणा की गई है, वे तय अवधि में शुरू भी हो जाएं। इसके अलावा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की कमी को दूर करने के भी ठोस प्रयास किए जाएं।

कुछ राज्य जिस तरह अपनी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं, उससे अन्य राज्यों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए

भारत को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी कॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है तो निश्चित ही इसका रास्ता विभिन्न राज्यों के विकास के मार्ग से होकर जाता है। यह हर्ष का विषय है कि भारत के कुछ राज्य अपनी अर्थव्यवस्था को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की ओर ले जाने के गम्भीर प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इन राज्यों में शामिल हैं उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक एवं तमिलनाडु। इन राज्यों की वर्तमान में (वर्ष 2021-22) सकल राज्य घरेलू उत्पाद का स्तर, वर्तमान में वास्तविक वार्षिक विकास दर एवं आगे आने वाले समय में आवश्यक विकास दर की स्थिति पर विचार करने पर ध्यान में आता है कि इनमें से कुछ राज्यों को अपने लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करने होंगे।

उत्तर प्रदेश राज्य ने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में उत्तर प्रदेश राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 29,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। परंतु राज्य को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए अब वर्ष 2027 तक आवश्यक विकास दर 34.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष हासिल करनी होगी। इतनी भारी भरकम विकास दर हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य को विशेष प्रयास करने होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान 27 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 50 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 22 करोड़ है, अतः राज्य में आर्थिक विकास के साथ उत्पादों की भारी भरकम मांग उत्पन्न की जा सकती है एवं उत्तर प्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था खपत आधारित अर्थव्यवस्था बन सकती है। इससे उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास की प्रबल सम्भावनाएं मौजूद हैं। हालांकि हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश राज्य विकास के पथ पर चल पड़ा है। राज्य के पश्चिमी एवं पूर्वी इलाकों में सड़क मार्ग की उपलब्धता में अतुलनीय सुधार किया जा रहा है। नए नए सड़क मार्ग के कोरिडोर एवं एक्स्प्रेस रास्तों का निर्माण किया जा रहा है। आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों का निर्माण हो रहा है। इन समस्त सुविधाओं के बढ़ने से उत्तर प्रदेश राज्य में भारी भरकम निवेश आकर्षित हो रहा है एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। अब उत्तर प्रदेश राज्य के नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से अन्य राज्यों की ओर कम प्रस्थान कर रहे हैं। दिनांक 10 फरवरी 2023 को उत्तर प्रदेश राज्य ने एक निवेश सम्मेलन 2023 का आयोजन किया था। इस वैश्विक निवेश सम्मेलन में भारतीय कम्पनियों के अलावा कई अंतरराष्ट्रीय स्तर की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भी भाग लिया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस सम्मेलन में 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश की राशि के प्रस्ताव प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। परंतु, आश्चर्यजनक रूप से इस वैश्विक निवेश सम्मेलन में 33 लाख करोड़ रुपए के 18,643 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे उत्तर प्रदेश में 92.5 लाख रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य तो कुछ वर्ष पूर्व तक बीमारु राज्य की श्रेणी में शामिल था परंतु अब देश में सबसे तेज गति से आर्थिक विकास करने वाले राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गया है। अतः अब उम्मीद की जा रही है कि उत्तर प्रदेश राज्य वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है।

इसी प्रकार महाराष्ट्र राज्य ने भी अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में महाराष्ट्र राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 43,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 10 प्रतिशत रही है। अब आने वाले वर्षों में, वर्ष 2030 तक महाराष्ट्र राज्य को अपनी अर्थव्यवस्था को औसतन 12.5 प्रतिशत की दर से प्रतिवर्ष आगे बढ़ाना होगा। यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वैसे भी महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक विकास के मामले में भारत के अग्रणी राज्यों में रहा है। मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी भी कहा जाता है। महाराष्ट्र राज्य ने भी 120,000 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त किये हैं। निवेश के इन प्रस्तावों पर तेजी से कार्य चल रहा है। अतः महाराष्ट्र राज्य द्वारा वर्ष 2030 तक एक लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया जाएगा, ऐसी उम्मीद की जा रही है।

गुजरात राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में गुजरात राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 28,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। अब गुजरात राज्य को उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष औसतन 16.1 प्रतिशत की विकास दर हासिल करनी होगी। यह विकास दर आसानी से हासिल की जा सकती है। गुजरात राज्य ने भी 163,000 करोड़ रुपए के राज्य में निवेश के प्रस्ताव प्राप्त किए हैं एवं इन प्रस्तावों के अंतर्गत राज्य में तेज गति से निवेश हो भी रहा है। गुजरात राज्य भारत के विकसित राज्यों में शामिल है एवं गुजरात में आर्थिक विकास की दर पिछले लम्बे समय से उत्साहजनक बनी हुई है। गुजरात के पास देश में सबसे बड़ी समुद्री सीमा है, जिससे अन्य देशों के साथ उत्पादों का आयात एवं निर्यात आसानी से हो सकता है। पूर्व के वर्षों में हासिल की गई आर्थिक विकास दर को देखते हुए यह उम्मीद की जा रही है कि गुजरात राज्य वर्ष 2027 तक 50,000 करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल कर लेगा।

कर्नाटक राज्य ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2021-22 में कर्नाटक राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 24,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर था एवं वास्तविक विकास दर लगभग 13 प्रतिशत की रही है। अब कर्नाटक राज्य को वर्ष 2027 तक प्रतिवर्ष औसतन 32 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना होगा तभी कर्नाटक राज्य एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था वर्ष 2027 तक बन सकेगा। कर्नाटक की राजधानी बंगलुरु को भारत की सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की राजधानी कहा जाता है एवं कर्नाटक में स्थापित इस क्षेत्र की कम्पनियों ने भारत का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है। कर्नाटक को उक्त लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अति गम्भीर प्रयास करने होंगे।

गहलोत ने जो राजनीतिक जादूगरी दिखाई है उसका राजस्थान में दूरगामी असर होगा

राजनीतिक दांवपेच में महारथ हासिल अशोक गहलोत ने धौलपुर की एक सभा में अपनी राजनीतिक जादूगरी का करिश्मा दिखाते हुए न केवल सचिन पायलेट को पटकनी दी है बल्कि वसुंधरा राजे सिंधिया की प्रशंसा करते हुए उन्हें भी चित कर दिया है। अपने एक ही तीर से उन्होंने राजस्थान की भावी राजनीति की फिजां बदलते हुए न केवल अपने प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलेट के राजनीतिक जीवन पर अंधेरा बिखेर दिया है, बल्कि राजस्थान की दूसरी कद्दावर नेता वसुंधरा के आगामी विधानसभा चुनाव में नेतृत्व को धुंधला दिया है, इस तरह करिश्माई नेता गहलोत ने आगामी विधानसभा चुनावों में अपने लिये रास्ता निष्कंटक बना लिया है। कांग्रेस के सबसे बड़े रणनीतिकार माने जाने वाले अशोक गहलोत ने सचिन पायलट का राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने का सपना ही नहीं तोड़ा है बल्कि कांग्रेस आलकमान को उनकी पार्टी निष्ठा पर सोचने को मजबूर कर दिया है। अशोक गहलोत राजनीति के मंझे हुए खिलाड़ी हैं। वे पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने एवं आगामी चुनाव में अपनी जीत को सुनिश्चित करने के लिये कुछ भी कर सकते हैं कि संभावनाओं को उन्होंने आखिर अंजाम दे ही दिया। कुछ साल पहले एक इंटरव्यू में अशोक गहलोत ने कहा था, ह्यअगर मैंने कभी राजनीति में एंट्री नहीं की होती तो मैं जादूगर होता। मुझे हमेशा सामाजिक कार्य और जादू के गुर सीखना पसंद था। भविष्य में मुझे जादूगर बनने का मौका नहीं मिल सकता है, लेकिन जादू अभी भी मेरी आत्मा में है। इस प्रकार उन्हें अक्सर कांग्रेस के हलकों में ह्यजादूगरह्ण कहा जाता है और इसी जादूगरी से उन्होंने अनेक बार राजनीति के चाणक्य होने का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

गहलोत ने रविवार को दावा किया कि 2020 में जब पायलट के द्वारा उनकी सरकार को गिराने की साजिश हुई, तब पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता वसुंधरा राजे ने उनका साथ दिया था। उनकी मदद की बदौलत ही वह साजिश नाकाम की जा सकी थी। गहलोत के मुताबिक, तब सरकार गिराने के लिए कांग्रेस विधायकों के बीच पैसे भी बांटे गए थे। चूंकि सरकार गिराई नहीं जा सकी, इसलिए उन्होंने अपने विधायकों से कहा कि वे पैसे वापस कर दें, लेकिन ह्यजिन्होंने पैसे दिए वे, पता नहीं क्यों वापस ले ही नहीं रहे।ह्ण इस पूरे मामले पर गौर करें तो कई गंभीर सवाल उभरते हैं। अव्वल तो गहलोत ने जो बात नहीं कही, वह यह कि सरकार गिराने की उस कथित साजिश में प्रत्यक्ष भूमिका सचिन पायलट की थी, जो उनकी अपनी पार्टी के हैं। दूसरी बात यह कि अगर खुद गहलोत के कहे मुताबिक उनकी अपनी पार्टी के विधायकों ने पैसे स्वीकार किए तो बतौर मुख्यमंत्री उनका दायित्व बनता था और बनता है कि उन विधायकों के खिलाफ पुलिस में शिकायत क्यों नहीं दर्ज कराई गयी? जबकि यह सामान्य-सी बात है कि कानूनन रिश्वत देना और लेना दोनों अपराध है। भाजपा ने ऐसी मांग भी की है। लेकिन इन कानूनी पहलुओं से अलग शुद्ध राजनीतिक नजरिए से देखा जाए तो संसदीय लोकतंत्र में विभिन्न पार्टियों के बीच की रस्साकशी कई बार किस तरह के नाटकीय दृश्य उपस्थित कर देती है, उसका यह एक दिलचस्प उदाहरण है। सभी राजनीतिक मूल्यों एवं नैतिकता को किनारे करते हुए गहलोत ने उस घटना का अभी प्रकटीकरण करके आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी दावेदारी को पुष्ट किया है।

पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारम्भ

प्रखर गाजीपुर। श्रम प्रवर्तन अधिकारी, गाजीपुर पूर्ति यादव द्वारा बताया गया है कि उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों एवं करोना काल में निराश्रित हुए बच्चों तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लिए पात्र बच्चों को उ0प्र0 सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अटल आवासीय विद्यालय, करसड़ा, वाराणसी में वाराणसी मण्डल के (जिला-वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर एवं चंदौली) के कक्षा-6 में सत्र 2023-24 हेतु नामांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गया है। जनपद-वाराणसी के करसड़ा में 12.25 एकड़ में 66.54 करोड़ रुपए की लागत से अटल वासीय विद्यालय के निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है। इस विद्यालय में मजदूरों के बच्चों की कक्षा-6 से लेकर कक्षा-12 तक की निःशुल्क गुणवत्तयुक्त शिक्षा के साथ-साथ आवासीय सुविधा भी पूरी तरह से निःशुल्क होगी। प्रवेश परीक्षा फार्म दिनांक 27.04.2023 से निःशुल्क से श्रम कार्यालय एवं विकास खण्ड कार्यालय से वितरित किया जा रहा है, फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 13.05.2023 है। दिनांक 11.05.2023 तक मण्डल के विभिन्न जनपदों में वाराणसी में 160 फार्म, चन्दौली में 64, जौनपुर 53 एवं गाजीपुर में 96 प्रवेष फार्म जमा करा दिये गये हैं। अटल आवासीय विद्यालय हेतु ऐसे सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिक पात्र हैं, जिनकी सदस्यता कम से कम तीन वर्ष पहले की है। प्रवेश परीक्षा 26 मई को होगी। ऐसे में अब आवेदन करने के लिये मात्र दो दिन का मौका है। प्रवेश परीक्षा सुबह 11:00 बजे पूर्वाह्न से 01:00 बजे अपराह्न तक होगी। प्रवेश परीक्षा में मानसिक क्षमता के 40 प्रष्न, अंकगणित एवं भाषा क्षमता के 20-20 प्रष्न पूछे जायेंगे, जो वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। अपील किया है कि अधिक से अधिक पात्र निर्माण श्रमिक एवं जो कोविड से अनाथ हुए अपने बच्चों का नामांकन कराने हेतु प्रवेश परीक्षा फार्म कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त कर प्रत्येक दशा में फार्म भरकर अंतिम तिथि 13 मई तक कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा देवें, जिससे दिनांक 26 मई, 2023 को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा में जनपद की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके। प्रवेश परीक्षा फार्म हेतु श्रम कार्यालय अथवा अपने निकटतम विकास खण्ड कार्यालय एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है।

शादी के दो दिन पहले सड़क दुर्घटना में युवक की गई जान

जौनपुर। सरायख्वाजा थानान्तर्गत भैंसनी गांव निवासी युवक की बरात उठने के दो दिन पूर्व अर्थी उठ गई। शादी की तैयारियों के लिए सामानों की खरीदारी करने बाइक से निकले युवक की सड़क दुर्घटना में गुरुवार की देर शाम मौत हो गई। बताया जाता है कि भैंसनी का धीरज गौतम (24) पुत्र सुभाष गौतम की शादी 14 मई को होनी था। बरात खुटहन क्षेत्र के धमौर में जानी थी। परिवारीजन शादी की तैयारियों में जुटे थे। देर शाम धीरज गांव से सटे मल्हनी से सामानों की खरीदारी कर बाइक से घर लौट रहा था। गृह गांव के पास ही बाइक आगे चल रहे ठेले से टकरा गई। बाइक सहित गिरने से धीरज की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार के लोग जीवित होने की आस में जिला अस्पताल ले गए। डाक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। खबर लगते ही घर के साथ ही कन्या पक्ष के यहां भी कोहराम मच गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। धीरज कुछ वर्षों पूर्व लुधियाना (पंजाब) में खराद फैक्ट्री में मजदूरी करता था। उसके विवाह को लेकर पूरा परिवार बहुत ही उत्साहित था। अधिकतर नात-रिश्तेदार भी शादी में शामिल होने आ चुके थे।

बाल विद्यालय प्रह्लादघाट का परीक्षाफल 96% एवं बाल विद्यालय डुमरी, रामनगर का परीक्षाफल 94% रहा

प्रखर रामनगर वाराणसी। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा कक्षा 10 व 12 की परीक्षाफल घोषित किया गया।

जिसमें बाल विद्यालय प्रह्लादघाट का परीक्षाफल 96 प्रतिशत एवं बाल विद्यालय डुमरी, रामनगर का परीक्षाफल 94 प्रतिशत रहा। प्रह्लाघाट में कक्षा 12 से एक्ता दुबे ने 94ण्33ः से विद्यालय में प्रथम, अल्फीया खान ने 92.15ः से द्वतीय एवं प्रांजली केशरी 91.55 तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं कक्षा 10 से मो0 आरिज ने 93.1ः प्रथम, याहया खान ने 92.0ः द्वतीय एवं सुहानी विश्वकर्मा ने 91.6ः से तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकी डुमरी, रामनगर शाखा में कक्षा 12 से प्रियांशु सिंह ने 92ण्7ः से विद्यालय में प्रथम, शिखा भूषण ने 92.25ः से द्वतीय एवं शीबू पटेल 91.1 तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं कक्षा 10 से अनुज गुप्ता. ने 92.8ः प्रथम, पलक कुमारी शुक्ला ने 90.6ः द्वतीय एवं नेहा यादव ने 90.2ः से तृतीय स्थान प्राप्त किया।विद्यालय के परीक्षाफल में 90 प्रतिशत से ऊपर अंक पाने वाले बच्चों की संख्या अत्यधिक है। इस वर्ष दोनो विद्यालयों से कक्षा 12 के कुल 294 छात्रो ने व कक्षा 10 से 262 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध समिति से श्री मुकुल पाण्डेय जी एवं मंजुल पाण्डेय जी ने कहा कि यदि बच्चे फाऊडेंशन कोर्स करने के अपेक्षा कोर्स करने के पहले बोर्ड द्वारा निर्धारित सेलेबस की तैयारी करें तो उनके अंक अच्छे और ज्यादा होते हैं जबकि फाऊण्डेशन कोर्स करने वाले बच्चों का अधिकतर प्रतिशत गिर जाता है। प्रबंधक महोदया डॉ0 जयशीला पाण्डेय जी द्वारा उक्त परीक्षाफल पर बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि बच्चों के मेहनत का परिणाम अच्छा रहा और प्रधानाचार्या श्रीमती स्नेहलता पाण्डेय जी एवं श्रमती नीता त्रिपाठी जी ने बच्चों को मिष्ठान खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

परीक्षा देने जा रहे भाई-बहन को ट्रक ने मारी टक्कर, बहन की मौत

प्रखर जौनपुर। बदलापुर स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के पूरा मुकुंद गांव के पास फोरलेन पर शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे परीक्षा देने जा रहे बाइक सवार भाई-बहन को पीछे से एक ट्रक ने टक्कर मार दिया। इस हादसे में बहन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि भाई गंभीर रूप से घायल हो गया हादसे में मृत और घायल दोनों भाई-बहन प्रतापगढ़ जिले के आसपुर देवसरा क्षेत्र के गोविंदपुर गांव निवासी थे घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया प्रतापगढ़ जिले के आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गांव निवासी आदित्य सिंह (23) अपनी बहन अदिति सिंह (22) को बाइक पर बैठाकर राजा हरपाल सिंह पीजी कॉलेज सिंगरामऊ में बीकाम की परीक्षा दिलाने जा रहा था। आदित्य सिंह अपने नाना राज बहादुर सिंह निवासी रीठी थाना सिकरारा के घर रात को रूका था। सुबह नाना के घर से ही परीक्षा दिलाने के लिए बहन को बाइक पर बैठाकर निकला जैसे ही पूरा मुकुंद गांव के पास पहुंचा था कि पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दिया। इससे आदित्य सिंह घायल हो गए और अदिति सिंह की मौके पर ही मौत हो गई घायल आदित्य सिंह ने मोबाइल से परिजनों को सूचना दिया। पिता अरविंद सिंह, नाना राज बहादुर सिंह, मां वंदना सिंह सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

संक्षिप्त खबरें

काशी के लाल समाजसेवी कुलदीप 'काशी रक्तवीर अवार्ड' से सम्मानित

वाराणसी। मानव रक्त फॉउंडेशन की रक्तदान जनजागरूकता मुहिम के अंतर्गत रक्तदान शिविर व जागरूकता कार्यक्रम सहित नाव पे 'काशी रक्तवीर अवार्ड' वितरण का कार्यक्रम अस्सी घाट पे सम्पन्न हुआ। जिसमें विनय सिंह,प्रदीप इसरानी, कुलदीप कनौजिया, कैलाश जायसवाल, फादर जॉन पौल,डॉक्टर फैसल, पंकज कुमार पटेल, इशरत उस्मानी जैसे रक्तवीरो को "काशी रक्तवीर अवार्ड" से अलंकृत किया गया। सर सुंदरलाल हॉस्पिटल के ब्लड बैंक की टीम में आशुतोष सिंह के सुपरविजन में एक घण्टे के अंदर 18 यूनिट रक्तदान किया गया। प्रथम बार रक्तदान करने वाले युवाओं की भरमार रही। कुल 11 रक्तवीरों ने प्रथम बार यह पुनीत कार्य किया। विश्व ज्योति जनसंचार समिति के सहयोग से प्रेरणा कला मंच की टीम ने घाट पे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण व रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस दौरान तमाम प्रबुद्धजन व समाजसेवी पूर्वांचल भर से मौजूद रहे।

अमिहित गाँव में टूटे पुलिया के बगल में मिट्टी गिराकर आवागमन को बनी कच्ची सड़क, खतरे को दे रहा आमंत्रण

प्रखर केराकत जौनपुर। भारी वाहनों के दबाव से मंगलवार की रात अमहित गांव में नहर की पुलिया टूटने के बाद गुरूवार को जेसीबी लगाकर मिट्टी पाट दी, जिससे नहर तो बन्द हो गया लेकिन बस व छोटे मोटे वाहनों का आवागमन हो रहा है। जो बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। देवगांव केराकत मार्ग पर अमिहित गांव में नहर की पुलिया टूटने के बाद कई गांवों का सम्पर्क टूट गया। प्रशासन ने पुलिया पर लाल झण्डी व ड्रम आदि लगाकर रास्ता रोक दिया। जिससे उस रास्ते से आवागमन बन्द हो गया। रास्ता बन्द होने से कुछ लोगों को परेशानी होने लगी। इसी दौरान गुरूवार की दोपहर में निजी स्वार्थ के लिए किसी पेट्रोल संचालक ने नियम को ताख पर रख जेसीबी लगाकर टूटे पुलिया की एक साइड का डिवाइडर तोड़कर उस पर मिट्टी पाट दी गयी। नहर भी बन्द कर दी गयी। जिससे आजमगढ़ की तरफ से बस व छोटे मोटे वाहनों का आवागमन तो चालू हो गया, लेकिन अगर नहर में पानी छोड़ दिया गया घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

महिलाओं को नेतृत्व विकास के बारे में दिया गया प्रशिक्षण

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के अंतर्गत रतनुपुर लोक चेतना समिति कार्यालय में शुक्रवार की दोपहर ग्राम पंचायत थानागद्दी, देवराई, महुली, जमुआ, बासबारी,बराई, उमरवार, उदयचंद्रपुर, बंमबावन, घुड़दौड़ सहित अन्य गाँव में महिलाओं को नेतृत्व विकास का प्रशिक्षण दिया गया । इस प्रशिक्षण में पूनम दीक्षित द्वारा महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक व पारिवारिक स्थिति पर विस्तृत जानकारी दी गई । प्रशिक्षण के दौरान ग्रुप बनाकर महिलाओं ने स्थिति के बारे में चर्चा करते हुए अपने विचार रखें । संस्था के निर्देशिका रंजू सिंह ने कहा कि समाज पुरुष प्रधान है इसमें महिलाओं को बराबरी में लाने के लिए सभी लोगों को सहयोग करना होगा । महिलाओं को नेतृत्व देने के लिए संविधान में आरक्षण की व्यवस्था की गई है जिससे महिलाएं नेतृत्व करें तथा देश की व्यवस्था बदलने में अपनी भूमिका निभाये । आरक्षण की देन है कि महिला प्रधान, सदस्य, ब्लाक प्रमुख बन रही हैं लेकिन अधिकतर महिलाएं घर के पुरुष के हाथ का मोहरा बनी हुई है महिलाओं की स्थितियों में अगर बदलाव लाना है तो नेतृत्व लेना होगा । कार्यक्रम के इस अवसर पर प्रियंका, कुसुम, गीता,सोनी,रेनू, वन्दना, बबीता, राधिका,मंजू ,पूजा व लोक चेतना समिति से शीला, सरिता, दीपमाला , ज्योति समेत दर्जनों महिलाओं की भागीदारी रही ।

दबंगों ने खड़ंजा उखाड़ कर प्रशासन को दी चुनौती

प्रखर शाहगंज जौनपुर। तहसील क्षेत्र अंतर्गत खुटहन विकासखंड क्षेत्र के शेखपुर सुतौली गांव के लक्ष्मी शंकर पुत्र राजदेव व रूद्र प्रताप पुत्र चंद्रेज आदि मनबढ़ और दबंग किस्म के लोगों ने खड़ंजा की ईट को उखाड़ दिया. खड़ंजा उखाड़ने के पश्चात उस पर अवैध अतिक्रमण कर लिया. इसे सरकारी संपत्ति का क्षति बताते हुए ग्राम प्रधान फुलझारी देवी ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर अवैध अतिक्रमण को हटाने और सख्त कार्रवाई की मांग की है. गौरतलब है कि उपरोक्त खड़ंजा नायब तहसीलदार अमित सिंह, खुटहन थाने की पुलिस फोर्स, राजस्व विभाग तथा" चकबंदी विभाग की टीम की मौजूदगी में बिछवाया गया था।

सहेली से मिलने गई छात्रा रहस्यमय ढंग से लापता

प्रखर केराकत जौनपुर। सहेली से मिलने की बात कह कर घर से निकली एक किशोरी रहस्यमय ढंग से लापता हो गई ' किशोरी के पिता ने कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी है ' पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर लिया है और तलाश में जुट गई है मामला केराकत कोतवाली थाना क्षेत्र के पचवर गांव का है ' गांव की एक किशोरी अपनी मां से एक सहेली से मिलने की बात बताकर दोपहर में घर से निकल गई ' लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटी देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटी तब परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी ' सबेरे तक उसका कुछ पता नहीं चला तो उसके पिता कोतवाली थाना पहुंच गए और मामले की जानकारी दी पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश में जुट गई है ' किशोरी के लापता होने से परिजन बेहाल हैं ' किशोरी बीए थर्ड ईयर की छात्रा है।

एसडीएम सीओ तहसीलदार ने प्रत्याशियों के साथ की बैठक

प्रखर केराकत जौनपुर। एसडीएम नेहा मिश्रा, और सीओ गौरव शर्मा, तहसीलदार अमित त्रिपाठी के द्वारा केराकत नगर पंचायत के सभी प्रत्याशियों के साथ बैठक कर दिया सख्त निर्देश। और इस बैठक में सभी प्रत्याशियों को संबोधित करते हुए एसडीएम नेहा मिश्रा ने बताया कि मतगणना स्थल पर किसी भी प्रकार की कोई अराजकता बिल्कुल बर्दास्त नहीं की जाएगी। ना ही आप के समर्थकों का हुजूम मतगणना स्थल तक आएगा और ना ही किसी प्रकार के शोर शराबे को बर्दास्त किया जाएगा। सीओ गौरव शर्मा ने सभी लोगो को सख्त शब्दो मे निर्देशित किया कि कोई भी प्रत्याशी किसी पर मतगणना के दौरान झूठा आरोप नही लगाएगा। तहसीलदार अमित त्रिपाठी ने कहा किसी को कोई भी शिकायत होने पर सही तथ्यों के साथ बने कंट्रोल रूम में जिम्मेदार से शिकायत करेगा। इस अवशर पर मनोज कमलापुरी , कृष्ण कुमार, मितेश कुमार, धीरज कमलापुरी, आजाद कुरैशी, विजय गुप्ता, प्रभाकर वर्मा, डॉक्टर शबनम नाज सहित आदि प्रत्याशी उपस्थित रहे।

साइबर अपराधियों से बचने के लिए रहें अलर्ट

आजमगढ़। श्री रामानंद सरस्वती पुस्तकालय जोकहरा में नाबार्ड के सहयोग से उद्यमिता कौशल विकास एवं डिजिटल साक्षरता विषय चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंगलवार को युवा और साइबर अपराध विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। जिसमें लोगों को साइबर अपराध और इससे बचने के उपायों की जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता साइबर क्लब के नोडल अधिकारी एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में साइबर अपराधी नए-नए तरीके अपना कर घटना को अंजाम दे रहे हैं।

निषादराज की प्रतिमा पर प्रशासन के कब्जे से निषाद समाज में आक्रोश

प्रखर सुईथाकला जौनपुर। विकासखंड क्षेत्र के मदारीपुर भेला गांव में स्थापित प्रतिमा को प्रशासन द्वारा हटवाए जाने से निषाद समुदाय के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है. निषाद समाज से जुड़े लोगों ने जिलाधिकारी तथा एसडीएम शाहगंज को प्रार्थना पत्र देकर उसी स्थान पर मूर्ति स्थापित करने की मांग की है. दिए गए प्रार्थना पत्र में अवगत कराया गया है कि सार्वजनिक जमीन पर भगवान महाराजा निषाद की मूर्ति को तहसील प्रशासन के आला अधिकारियों द्वारा 7 मई को हटवा दी गई थी जिसे अपने कब्जे में ले लिया गया था. इस घटना से निषाद समाज की आस्था, धर्म , भावनाओं एवं श्रद्धा को ठेस पहुंची थी. एसडीएम को दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि पूरे

गांव के किसी समुदाय ने प्रतिमा की स्थापना को लेकर ऐतराज व विरोध नहीं जताया है. समस्त ग्राम वासियों ने सहमति जताई है. लोगों का कहना है कि ग्राम सभा की यह जमीन वर्षों से खाली पड़ी है जिस पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं हुआ है और वह स्थान मूर्ति की स्थापना के लिए उपयुक्त है.प्रार्थना पत्र में चेतावनी दी गई है कि यदि प्रतिमा स्थापित करने के लिए प्रशासन अनुमति नहीं देता है तो जिले ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में आगामी लोकसभा चुनाव 2024 एवं विधानसभा सहित समस्त प्रकार के चुनाव का निषाद समाज पूर्ण रूप से बहिष्कार करेगा. डीएम एसडीएम तथा शाहगंज के विधायक रमेश सिंह से जल्द से जल्द प्रतिमा की स्थापना की मांग की है।

सीएचसी तमकुही पर मनाया नर्स दिवस, किया याद

स्नेह, धैर्य व सेवाभाव का दूसरा नाम है नर्स : डा. अमित राय

प्रखर कुशीनगर। शुक्रवार को फ़्लोरेन्स नाइटिंगेल का जन्मदिन को 'अन्तरराष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न अस्पताल सहित सीएचसी तमकुही पर विविध कार्यक्रम के जरिये फ़्लोरेन्स नाइटिंगेल को याद करने के साथ उनके पदचिन्हों पर चल रही नर्सों की सेवाओं की सराहना की गयी। सीएचसी तमकुही के अधीक्षक डा. अमित राय ने क्रीमिया युद्ध में फ़्लोरेन्स नाइटिंगेल की भूमिका को याद किया। कहा कि फ़्लोरेन्स ने सेवा की जो मिसाल पेश की , उसे आज भी याद किया जाता है। युद्ध में घायलों की सेवा के लिए वह रात के अंधेरे में लालटेन लेकर निकलती थीं और उनका उपचार करने के साथ-साथ महिलाओं को नर्स का प्रशिक्षण भी देती रहीं । उनके इस महान कार्य के चलते ही उन्हें 'लेडी विद द लैम्प' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि फ्लोरेंस तो अब इस दुनिया में नहीं हैं । लेकिन उन्होंने मानवीय सेवा का जो बीज बोया था । उसकी

फसल आज विश्व में लहलहा रही है। उनके पदचिन्हों पर चलते हुए आज नर्स जिस तरह से मरीजों की सेवा करती हैं, उसकी वजह से उन्हें स्नेह, धैर्य व सेवा का एक रूप माना जाता है। उन्होंने कहा कि कोविड काल में नर्सों ने विपरीत परिस्थितियों में जिस तरह का योगदान किया। उसे लम्बे समय तक याद किया जाएगा। इसके पहले उन्होंने दीप प्रज्वलन कर केक काटा। इस दौरान नर्सों ने प्रेम, करुणा के साथ मरीजों की सेवा करने की शपथ ली। कार्यक्रम में डा. अभिषेक वर्मा, डा. हिमांशु मिश्रा, डा. संजय कुमार, वरिष्ट क्षयरोग पर्यवेक्षक संजय द्विवेदी, सचिंदर राय, प्रवीण राय, वाहिद हुसेन, प्रियंका जायसवाल, नीलम राय, नीला कुशवाहा, कमलावती सिंह, ने भी विचार रखा। इस दौरान निशु कुशवाहा, शांति गौड़, नाजरा खातून, सुधा सिंह, कुमारी अलका, रोजी खातून, नीला कुशवाहा, नाजनीन खातून, वीना गुप्ता आदि सहित स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

वेस्ली इंटर कॉलेज के मतदान केंद्र पर दो पक्षों में झड़प, पुलिस ने भांजी लाठियां

आजमगढ़। आजमगढ़ में शहर कोतवाली क्षेत्र के वेस्ली इंटर कॉलेज में बने मतदान केंद्र पर निकाय चुनाव के मतदान को लेकर दो पक्षों में झड़प हो गई। देखते ही देखते दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठियां भी भाजी। साथ ही कई लोगों को हिरासत में लिया। नगर पालिका आजमगढ़ में चुनाव को लेकर मतदान के दौरान कई जगह गुत्थम गुत्था की स्थिति रही। वहीं आजमगढ़ शहर के मुख्य चौक के समीप स्थित वेस्ली इंटर कॉलेज पर बने मतदान केंद्र पर वोट डालने को लेकर विवाद हो गया। सभासद पद के दो प्रत्याशी समर्थक आपस में भिड़ गए। दोनों पक्ष से भारी संख्या में समर्थक जुट गए और एक दूसरे से मारपीट पर आमदा हो गये। मतदान केंद्र पर तैनात पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई और दोनों पक्षों को अलग करने का प्रयास करने लगी लेकिन जब मामला बढ़ता गया तो पुलिस की तरफ से जमकर लाठी भाजी गई।

नरेगा योजना तहत कराया गया कच्ची सड़क निर्माण को उजाड़ने का लगा आरोप

ग्राम प्रधान द्वारा कराए गए कच्ची सड़क निर्माण को देर रात मनबढ़ों ने तहस नहस किया

प्रखर जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र धीराजपुर मुस्काबाद एक ग्राम सभा में वर्तमान ग्राम प्रधान उमेश कुमार गौड़ द्वारा 2022 में नरेगा योजना के तहत 120 मीटर की कच्ची सड़क निर्माण कार्य कराया

गया था, जिसमें लगभग 65 हजार रुपए के लगात लगी थी। ग्राम प्रधान उमेश कुमार गौड़ ने आरोप लगाया है कि पूर्व प्रधान ने उक्त कच्ची सड़क को देर रात 8 से 10 की संख्या में मजदूरों को लगवा कर उजड़वाया हैं। नरेगा योजना के तहत कच्ची सड़क निर्माण राकेश के घर से लेकर मुन्ना यादव के घर तक बनावाई गई थी। वर्तमान प्रधान ने बताया कि जिस समय कच्ची सड़क निर्माण को उजाड़ा जा रहा था तो उस वक्त मुन्ना यादव ने देखा कि उनके घर तक बनाई गई कच्ची सड़क को पूर्व प्रधान द्वारा 8, 10 की संख्या में मजदूरों को लगवा कर उजड़वाया जा रहा हैं, जब तक लोग वहां पहुंचे की सभी लोग मौके से भाग गए। वर्तमान ग्राम प्रधान द्वारा बताया गया कि उक्त घटना की सूचना रात्रि में ही डायल 112 व थाना पुलिस को दिया गया, और एसडीएम साहब को भी फोन मिलाया गया था। उक्त घटना के सम्बन्ध में बक्शा थाना प्रभारी से वार्ता करने पर उन्होंने बताया कि कच्ची सड़क मामले के सम्बन्ध में जांच पड़ताल की जा रही हैं आरोप अनुसार जो भी दोषी पाया जाएगा कार्यवाही की जाएगी।

काशी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में आवाहन 2023 का जोरदार आगाज

प्रखर वाराणसी। आवाहन 2023 का ओपनिंग सेरेमनी का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डायरेक्टर काशी इंस्टीट्यूट आफ फामेर्सी डॉ आशुतोष मिश्रा सर और काशी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डिप्टी डायरेक्टर डॉ एके यादव सर ने मशाल जलाकर के आवाहन 2023 का आगाज किया मशाल लेकर के स्पोर्ट्स सेक्रेटरी स्टूडेंट राघवेंद्र प्रताप सिंह ने ग्राउंड का चक्कर किया और चक्कर कर-के मशाल को अपने नियत स्थान पर ला करके रखा इस उपलक्ष में यहां पर आई हुई टीमें इस प्रकार है वाराणसी मंडल की टीम प्रयागराज मंडल कानपुर मंडल आजमगढ़ मंडल मिजार्पुर मंडल यह सारे मंडल की टीमें इस प्रतियोगिता में भाग ली है कार्यक्रम का संचालन स्पोर्ट्स ऑफिसर अजय विक्रम सिंह के द्वारा किया गया और लास्ट में सभी खिलाड़ियों को धन्यवाद देते हुए अजय विक्रम सिंह ने कार्यक्रम का सुचारू रूप से समापन किया इस उपलक्ष में स्पोर्ट्स कमेटी के मेंबर राघवेंद्र प्रताप सिंह हिमांशु उपाध्याय रोहित विशाल नीतीश विश्वकर्मा और आज खिलाड़ी उपस्थित रहे।

भाकियू (अ) के जिलाध्यक्ष ने तहसीलदार, कप्तानगंज को सौंपा ज्ञापन

प्रखर कुशीनगर। भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) की जिला इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने अपने दो सूत्रीय माँगों का ज्ञापन कृष्ण गोपाल त्रिपाठी तहसीलदार, कप्तानगंज को सौपते हुए अवगत कराया है कि, जनपद के कप्तानगंज तहसील अन्तर्गत ग्रामसभा देवरियाबाबू (टोला कोटिया) में विगत दो वर्ष पूर्व अत्यधिक बरसात होने के वजह से दो पूल पानी के तेज बहाव होने के वजह से बह गये थे जिसको बनवाने के लिये हमारे द्वारा लगातार माँग करने के उपरान्त इन दोनों पूलों का निर्माण तो हो गया है मगर इसका अप्रोच अभी तक नही बना है जो एक गम्भीर मसला है। अप्रोच नही बनने के वजह से अवागमन बाधित हो रहा है और यात्रियों को आने जाने में काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। यह सड़क पगार छपरा से होते हुए साहबगंज में यन०यच० 730 को जोड़ता है। इस सड़क से रोजाना सैकड़ों यात्रियों को जिला और तहसील मुख्यालय पर आने जाने का रास्ता है। जनपद के कप्तानगंज तहसील अन्तर्गत ग्रामसभा लालाछपरा (टोला भटवलिया) में सरकारी अस्पताल, सरकारी प्राईमरी स्कूल होते हुए इमिलिहां टोला तक एक नई पिच सड़क का निर्माण जिला पंचायत के तरफ से हो रहा है। इस नई सड़क पर विगत छः महीने से ऊपर हो गये बड़े पत्थर गिरे हुए जिसके वजह से मरीजों, सरकारी स्कूल में आने वाले बच्चों और साथ ही साथ आम जनमानस को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अन्त में जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह तहसीदार से माँग किये है कि दोनों समस्याओं का समाधान आपके द्वारा जल्द कराया जाय जो जनहित में होगा। यदि बरसात शुरू होने से पहले इन दोनों समस्याओं का समाधान नही हुआ तो हमारे यूनियन को जनहित में कोई ठोस कदम उठाने पर वाध्य होना पड़ेगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर जिला सचिव चेतई प्रसाद, रामाधार, सोहन यादव, जवाहर, रामनवल, चान्दबली, गोरख प्रसाद, स्वामीनाथ आदि कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

मदर्स डे पर पेटा की मुहिम
नो टू लेदर

कोलकाता (वार्ता)। दुनिया भर में पशुओं के साथ होने वाली अमानवीयता के विरोध में सक्रिय पशु अधिकार संगठन पीपल फॉर द इथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) के सदस्य जानवरों से बने उत्पादों को बनाने में उनके खिलाफ होने वाली जबरदस्त हिंसा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए और इन उत्पादों के विरोध में मदर्स डे (14 जून) से पहले ही शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में विरोध प्रदर्शन करेंगे। संगठन की ओर से गुरुवार को यहां जारी बयान के मुताबिक, इस अभियान का उद्देश्य जानवरों के प्रति उनकी त्वचा को कोट, जूते, बैग और अन्य सामान बनाने से पहले कठोर होने वाले दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस मुहिम को नो टू लैदर नाम दिया जाएगा।

दुनिया भर में 1000 से अधिक कंपनियां पेटा के इस लोगो का इस्तेमाल अपने सामान पर कर रहीं हैं ताकि भारत तथा अन्य जगहों पर लोग उनके सामान को देखकर ही समझ जाएं कि इनके बनाने में पशु उत्पाद का इस्तेमाल नहीं किया गया है

कैंसर, श्वसन संक्रमण और अन्य बीमारियों के कारण बनते हैं ये कारखाने

इन कारखानों में काम करना मनुष्यों में कैंसर, श्वसन संक्रमण और अन्य बीमारियों का कारण बनता है। बयान में कहा गया है कि देश भर के लगभग सभी प्रमुख जूतों और कपड़ों की दुकानों पर ऐसे उत्पाद उपलब्ध हैं जिनमें पशु खाल का इस्तेमाल नहीं किया गया है।। वैश्विक 'पेटा-अनुमोदित वीगन' लोगो चमड़े, रेशम, ऊन, फर और पंखों जैसे पशुओं की खाल से बनने वाले सामान की बजाय शाकाहारी सामग्री से बने हैंडबैग, जूते, कपड़े, सामान, फर्नीचर और घरेलू सजावट की वस्तुओं को प्रमाणित करता है। दुनिया भर में 1000 से अधिक कंपनियां पेटा के इस लोगो का इस्तेमाल अपने सामान पर कर रहीं हैं ताकि भारत तथा अन्य जगहों पर लोग उनके सामान को देखकर ही समझ जाएं कि इनके बनाने में पशु उत्पाद का इस्तेमाल नहीं किया गया है।

शाकाहारी चमड़े या अन्य प्राकृतिक या सिंथेटिक पशु-मुक्त उत्पादों को चुनें

पेटा इंडिया की कैंपेन मैनेजर राधिका सूर्यवंशी ने कहा कि जो लोग यह सोच भी नहीं सकते कि वह इंसानों के बच्चों से बनी खाल के कोट पहनेंगे उन्हें गाय या फिर दूसरे सेंसेटिव जानवरों की खाल से बने कोट या अन्य साजोसामान भी नहीं इस्तेमाल करने चाहिए। इन जानवरों को उनकी खाल के लिए अत्यधिक प्रताड़ित किया जाता है यहां तक कि उनका जीवन भी खत्म कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि पेटा इंडिया सभी को केवल शाकाहारी चमड़े या अन्य प्राकृतिक या सिंथेटिक पशु-मुक्त कपड़ों से बने उत्पादों को चुनने और सभी जानवरों से प्राप्त वस्तुओं को अपनी अलमारी से हटाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

बयान में कहा गया है कि भारत में गायों, भैंसों और चमड़े के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले जानवरों को अक्सर इतनी बड़ी संख्या में वाहनों में भर दिया जाता है कि उनकी हड्डियां टूट जाती हैं। बूचड़खाने में काम करने वाले उनकका गला काटते हैं जो इस प्रक्रिया से बच जाते हैं वह अन्य जानवरों का गला कटते और खाल उतरते देखते हैं। कभी कभी तो जब जानवरों की खाल उतारी जा रही होती है, उस समय में वह होश में होते हैं। चमड़े के इन कारखानों से निकलने वाला पानी नदियों और नालों को दूषित करता है, जिससे साफ जल में पनपने वाले जीवन को नुकसान पहुंचाता है।

देश के कोने-कोने तक जल्द ही ड्रोन से होगी रक्त आपूर्ति

नई दिल्ली (भाषा)। पूरे देश में अब ड्रोन के जरिए रक्त की आपूर्ति करने का सपना जल्द ही हकीकत में तब्दील हो सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने बृहस्पतिवार को अपनी 'आई-ड्रोन' पहल के तहत ड्रोन के जरिए ब्लड बैग की आपूर्ति का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। यह पहल भारत में ड्रोन पारिस्थतिकी का विस्तार करने के राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा है। आईसीएमआर ने सबसे पहले दूरदराज के इलाकों तक टीका पहुंचाने के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान 'आई-ड्रोन' का इस्तेमाल किया था।

आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कहा, आज, हम रक्त तथा रक्त से संबंधित उत्पाद भेज रहे हैं जिन्हें कम तापमान पर रखा जाता है। इस प्रयोग के बाद हमने पाया कि हम न केवल तापमान बनाए रख सकें बल्कि उत्पादों को कोई नुकसान भी नहीं हुआ। उन्होंने कहा, हमने एक एम्बुलेंस के जरिए एक अन्य नमूना भेजा और अगर दोनों तरीकों का इस्तेमाल कर भेजे गए नमूनों में कोई अंतर नहीं है तो फिर पूरे भारत में ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। बहल ने कहा, डिजीटलीकरण के साथ टीकों के प्रभावी निर्माण और त्वरित आपूर्ति प्रणाली विकसित होने से भारत ने एक साल के भीतर 90 फीसदी कवरेज हासिल की।

आईसीएमआर, दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, ग्रेटर नोएडा के गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज तथा नोएडा के जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी के संयुक्त प्रयासों से देश में पहली बार का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, परीक्षण के तौर पर ड्रोन गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज तथा लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के बीच 10 यूनिट रक्त लेकर गया।

सोनाक्षी ने दहाड़ के लिए बाइक चलानी सीखी

मुंबई (आईएएनएस)। एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा अपनी पहली ओटीटी सीरीज दहाड़ की रिलीज के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस थ्रिलर सीरीज के लिए खास करके बाइकिंग सीखी। बॉलीवुड एक्ट्रेस का कहना है कि अब बाइक चलाना उनका पैशन बन चुका है और वह रात को भी राइड के लिए निकल जाती हैं। दहाड़ में सोनाक्षी सुपर कॉप की भूमिका में हैं और उनका लुक किरदार पर पूरी तरह फिट बैठता है। सेट पर मौजूद सूत्रों के अनुसार, एक्ट्रेस ने शूट के दौरान ही बाइक चलानी सीखी और कुछ ही समय में वह काफी अच्छी बाइकर बन गईं। इस रोल को लेकर उनका डेडिकेशन ऐसा था कि वह सेट अपनी बॉडी डबल से भी अच्छी बाइक चलाने लगी थीं जिसने निर्देशक रीमा कागती को भी प्रभावित किया।

बाइकिंग के लिए अपने प्यार के बारे में बात करते हुए सोनाक्षी ने कहा, मुझे लगता है कि मैं यह रोल करने के लिए ही बनी थी। एक एक्टर के तौर पर हम सभी अपनी सीमा से कुछ ज्यादा करना चाहते हैं। मेरे लिए यह रोल वैसा ही था। इस रोल के लिए मुझे काफी तैयारी करनी पड़ी और बाइक चलाना भी उन्हीं में से एक था जो फन एक्सपेरिएंस था।

सारा ने शेयर की केदारनाथ ट्रिप की फोटो

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने सोशल मीडिया पर केदारनाथ ट्रिप की फोटो शेयर की है। सारा अली खान हाल ही में केदारनाथ ट्रिप पर गई थीं। सारा ने अपनी ट्रिप की फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की। फोटो शेयर करते हुए सारा ने केदारनाथ से उन्हें एक हसीं जिंदगी देने के लिए शुक्रिया भी कहा। सारा अली खान ने लिखा, जब मैं पहली बार केदारनाथ आई थी तब मैंने जिंदगी में कभी कैमरा फेस नहीं किया था। यहां तक कम ही लोग आ पाते हैं और जो आते हैं वो काफी खुशनसीब होते हैं। मैं भी उन लोगों में से हूं क्योंकि मैं केदारनाथ तक आ पाई हूं।

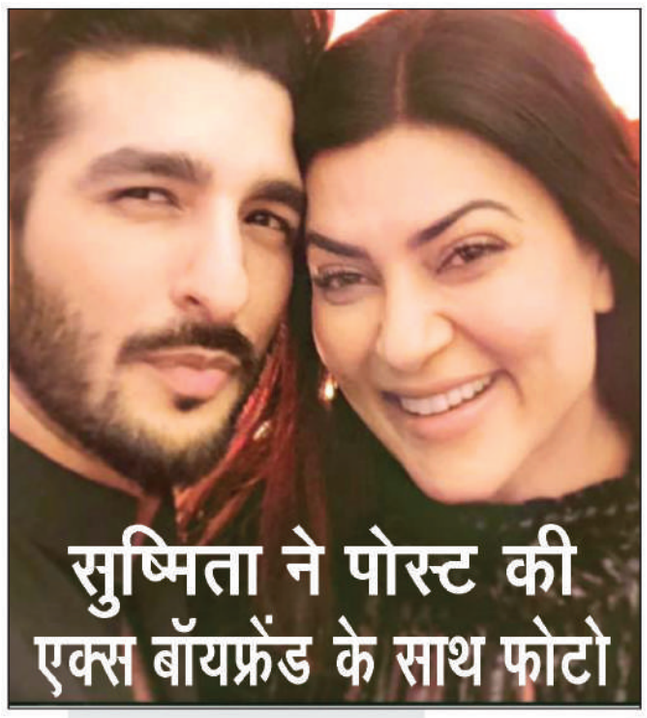

सुष्मिता ने पोस्ट की एक्स बॉयफ्रेंड के साथ फोटो

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व ब्यूटी क्वीन सुष्मिता सेन ने अपने एक्स ब्वॉयफ्रेंड रोहमन शॉल के साथ एक तस्वीर साझा की है और इसे अच्छी तस्वीर के रूप में टैग किया है। सुष्मिता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक कार्यक्रम की एक तस्वीर साझा की जिसमें रोहमन और बेटी अलीशा हैं। तस्वीर में दोनों बातचीत में तल्लीन नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, अच्छी तस्वीर रोहमन शॉल। रोहमन ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीर को फिर से साझा किया। उन्होंने लिखा, राइट बैक एट यू सुष्मिता सेन। साल 2021 में सुष्मिता और रोहमन अलग हो गए थे। दोनों इंस्टाग्राम पर मिले थे। साल 2022 में, ललित मोदी ने उनके रिश्ते में होने की खबर साझा की। हालांकि, अभिनेत्री ने इस खबर की न तो पुष्टि की और न ही खंडन किया। काम के मोर्चे पर, सुष्मिता इस समय राजस्थान में हैं। वह आर्या की तीसरी किस्त की शूटिंग कर रही हैं।

पुलिसकर्मी का किरदार निभाएंगी
अदा शर्मा

मुंबई (भाषा)। अभिनेत्री अदा शर्मा, अभिनेता श्रेयस तलपड़े की अगली फिल्म 'द गेम ऑफ गिरगिट' में नजर आएंगी। फिल्म निर्माताओं ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। 'गांधार फिल्म्स एंड स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा निर्मित और विशाल पांड्या द्वारा निर्देशित फिल्म 'द गेम ऑफ गिरगिट' में अभिनेत्री एक पुलिस कर्मी का किरदार निभाएंगी।

हाल में आई फिल्म 'द केरल स्टोरी' में अपनी प्रमुख भूमिका को लेकर सुर्खियां बटोर रहीं अभिनेत्री ने कहा कि पर्दे पर एक पुलिस कर्मी की भूमिका निभाना रोमांचक है। अदा शर्मा (31) ने एक बयान में कहा, मैंने पहले भी फिल्म 'कमांडो' में पुलिस कर्मी का किरदार निभाया है और इस फिल्म में भावना रेड्डी की भूमिका में मैं बहुत लोकप्रिय भी हुई। अब आगामी फिल्म में गायत्री भार्गव की भूमिका एक अलग तरह की पुलिस वाली की है। फिल्म निर्माताओं के अनुसार, 'द गेम ऑफ गिरगिट' चर्चित 'ब्लू व्हेल गेम' पर आधारित है।

'ब्लू व्हेल गेम' एक इंटरनेट आधारित 'गेम' है जिसे 'ब्लू व्हेल चैलेंज' भी कहा जाता है इस 'गेम' में कथित तौर पर खिलाड़ियों को आत्महत्या के लिए उकसाया जाता है फिल्म में ऐप डेवलपर की भूमिका निभाने वाले तलपड़े ने कहा कि वह फिल्म की कहानी से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, मैं इस फिल्म को लेकर उत्सुक हूं। फिल्म में एक अच्छा संदेश भी है जो हमें लगता है कि यह दर्शकों तक, विशेष रूप से देश के बच्चों और युवाओं तक पहुंचना चाहिए। फिल्म निर्देशक पांड्या ने कहा, 'द गेम ऑफ गिरगिट' आज की पीढ़ी की कहानी है, जो मोबाइल फोन ऐप पर अपनी निजी जानकारियों को साझा करने के बाद इसके परिणामों से अनजान है।

मानुषी छिल्लर
कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू के लिए तैयार

मुंबई (आईएएनएस)। पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर प्रतिष्ठित 2023 कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर चलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कान फिल्म फेस्टिवल का 76वां संस्करण 16 मई से 27 मई तक फ्रांस में आयोजित किया जाएगा। वह प्रतिष्ठित समारोह में अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के साथ शामिल होंगी। ऐश्वर्या राय बच्चन, विद्या बालन, शर्मिला टैगोर और दीपिका पादुकोण जैसी कई बॉलीवुड हस्तियां फ्रेंच फेस्टिवल के लिए जूरी का हिस्सा रही हैं। प्रियंका चोपड़ा, सोनम कपूर, मल्लिका शेरावत, पूजा हेगड़े, हिना खान, तमन्ना भाटिया और अदिति राव हैदरी भी रेड कार्पेट पर चल चुकी हैं। इस बीच, काम के मोर्चे पर, मानुषी जॉन अब्राहम के साथ तेहरान और वरुण तेज के साथ ऑपरेशन वेलेंटाइन में कई अन्य लोगों के साथ दिखाई देंगी।

महाभारत पर फिल्म बनाना चाहते हैं राजामौली

मुंबई (वार्ता)। दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने फिल्मकार एसएस राजामौली महाभारत पर आधारित फिल्म बनाना चाहते हैं। राजामौली अपने ड्रीम प्रोजेक्ट महाभारत पर आधारित फिल्म बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैंने ये फैसला लिया है कि मैं 4-5 फिल्में बनाने के बाद ही महाभारत पर काम शुरू करूंगा। मैं महाभारत को अपने अंदाज में बताऊंगा। इसके लिए मै पूरा एक साल रिसर्च करूंगा। इसके बाद ही इस सब्जेक्ट पर फिल्म बनाऊंगा। ये मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट हैं और इसे मैं 10 पार्ट्स की फिल्म में बनाने की प्लानिंग कर रहा हूं। मैं महाभारत बनाने की सतत यात्रा पर हूं, जैसे ही मुझे लगेगा मैं इस पर काम शुरू कर दूंगा।

मैंने कभी कोई गलत निर्णय नहीं लिया : कंगना

मुंबई (आईएएनएस)। कंगना रनौत ने एक थ्रोबैक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी फिल्म रास्कल और डबल धमाल के बारे में बात कर रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने कभी भी कोई गलत फैसला नहीं लिया है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने फैन पेज से रास्कल्स और डबल धमाल में काम करने के बारे में बात करते हुए एक पुराना वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने सहायक भूमिका निभाई थी। उन्हें यह कहते सुना जा सकता है, जिंदगी में कभी ना कभी हर कोई एक गलत फैसला लेता है, मैंने भी किया था। कुछ लोग कहते हैं कि वो गलत फैसले हैं, पर मैं नहीं मानती। लोग कहते हैं कि तुम्हें रैस्कल और डबल धमाल जैसी फिल्म नहीं करनी चाहिए थी, आप बेहतर डिजर्व करते हैं।

हां, लेकिन जब मेरे पास कोई काम नहीं बचा तो मैंने किसी काम को छोटा नहीं समझा और उसके लिए जितने भी पेमेंट मिले उसे लेकर मैं शॉर्ट फिल्म्स डायरेक्ट की कैलिफोर्निया में और मेरे जो छोटे मोटे ड्रीम्स थे, जैसे कि कोर्स करना, न्यूयॉर्क फिल्म एकेडमी जाना, तो मैं उनको मैं पूरा कर पाई। उसने साझा किया कि इसे गलत निर्णय नहीं कहा जा सकता है और यह सब योजना का हिस्सा था। कंगना ने इसे कैप्शन दिया, यहां तक कि जब मुझे पता था कि मैं बेहतर की हकदार हूं तो मैं कभी निराश नहीं हुई, मैंने कभी भी कोई गलत निर्णय नहीं लिया। इन प्यारी पुरानी रिमाइंडर क्लिप के लिए मेरे प्रशंसकों को धन्यवाद।

दीपिका
टाइम मैगजिन के कवर पेज पर

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन के कवर पेज पर आई हैं। इसके साथ ही दीपिका वैश्विक हस्तियों जैसे बराक ओबामा, ओपरा विन्फ्रे और कई अन्य हस्तियों के एलीट क्लब में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने टाइम मैगजिन पर जगह बनाई है। इससे पहले 2022 में दीपिका को सिनेमा में उनकी उपलब्धियों और मानसिक स्वास्थ्य वकालत में काम करने के लिए द टाइम 100 इम्पैक्ट अवार्ड में नामित किया गया था। अभिनय के मोर्चे पर, बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ दीपिका की हालिया रिलीज पठान एक ब्लॉकबस्टर साबित हुई। अब वह अपनी अगली फिल्म फाइटर की तैयारी कर रही हैं, जिसमें वह ऋतिक रोशन और अनिल कपूर के साथ नजर आएंगी। वह प्रभास और अमिताभ बच्चन अभिनीत प्रोजेक्ट के में भी नजर आएंगी।

बहराइच में सड़क हादसा चार की मौत, पांच घायल

बहराइच, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के जरवल रोड थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि लखनऊ-बहराइच हाइवे पर ओवरब्रिज के निकट एक जायलो लखनऊ की ओर जा रही थी कि अचानक एक बाइक सवार सामने आ गया, जिसे बचाने के चक्कर में जायलो बाइक को रौंदते हुए पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी मुस्तफाबाद पहुंचाया गया। यहां अस्पताल ले जाते समय एक युवक की मौत हो गई। हादसे में घायल पांच की हालत गंभीर होने पर सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

बरेली की फोम फैक्टरी में लगी आग, चार जिंदा जले

बरेली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बरेली के फरीदपुर जिले में बुधवार देर रात लगी आग में झुलस कर चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई गंभीर रूप से झुलस गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की और घायलों के उचित इलाज के निर्देश दिए। एसपी ग्रामीण राजकुमार अग्रवाल ने गुरुवार को बताया कि लखनऊ हाईवे स्थित मेगी नगला निकट बरेली कारोबारी की अशोका फोम फैक्टरी है। इसमें फोम के गद्दे, प्लास्टिक फर्नीचर और फोम का साजो सामान तैयार होता है। बुधवार शाम फैक्ट्री में आग लग गई। पल भर में फोम फैक्टरी आग का गोला बन गई। हादसे में चार लोगों की मृत्यु की पुष्टि व दो की पहचान हो पाई है।

आगरा में स्कूली बच्चों को कार ने रौंदा, तीन की मौत

आगरा, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगरा जिले के डौकी इलाके में गुरुवार सुबह स्कूल बस के इंतजार में सड़क किनारे खड़े बच्चों को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। इनमें से तीन बच्चों की मौके पर मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने फतेहाबाद-आगरा रोड पर जाम लगा दिया है। मौके पर पुलिस पहुंच चुकी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुबह आठ बजे डौकी के गांव बास महापत में बच्चे सड़क किनारे खड़े होकर स्कूल बस का इंतजार कर रहे थे कि तभी फतेहाबाद रोड की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने छह बच्चों को रौंद दिया। कुछ बच्चों ने सड़क किनारे भागकर जान बचाई।

फर्रुखाबाद में मतदान के बाद बुजुर्ग महिला की मौत

फर्रुखाबाद, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज नगर पालिका परिषद के चुनाव में गुरुवार को मतदान कर गेट से बाहर निकलते ही एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में नगर पालिका कायमगंज के मोहल्ला नुनिहाई की निवासिनी बुजुर्ग महिला रेशमा (75) परिजनों के साथ गुरुवार प्रातः नगर के श्यामा गेट समीपवर्ती कन्या विद्यापीठ में बने मतदान केंद्र पर वोट डालने गई। बुजुर्ग महिला ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वोट डालकर गेट के बाहर आते ही वह गश खाकर गिर पड़ी। परिजन उसे स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जापान के चिबा में लगे 5.4 तीव्रता के भूकंप के झटके

टोक्यो, (एजेंसी)। जापान के चिबा प्रांत में गुरुवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.4 मापी गई है। भूकंप प्रांत में स्थानीय समयानुसार सुबह 04 बजकर 16 मिनट (बुधवार को 19:16 जीएमटी) पर आया। भूकंप का केंद्र 40 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप की अधिकतम तीव्रता जापान के 7-ग्रेड स्केल पर पांच थी। एजेंसी के अनुसार सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। भूकंप से किसी के हताहत होने या नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

आज का इतिहास

- **1459:** राव जोधा ने जोधपुर की स्थापना की।
- **1666:** पुरंदर की संधि के तहत छत्रपति शिवाजी महाराज औरंगजेब से मिलने आगरा पहुंचे।
- **1784:** पेरिस समझौता प्रभावी हुआ।
- **1945:** भारत के 37वें मुख्य न्यायाधीश केजी बालकृष्णन का जन्म।
- **1954:** राजनीतिज्ञ एवं तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी का जन्म।
- **1989:** भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी शिखा पांडे का जन्म।
- **1993:** हिंदी के जाने माने कवि शमशेर बहादुर सिंह का निधन।
- **2008:** चीन के सिचुआन में भूकंप से 87 हजार से अधिक लोगों की मौत। तीन लाख 74,643 लोग घायल हुए।
- **2015:** नेपाल में भूकंप से 218 लोगों की मौत और 3500 से अधिक घायल।

दूसरी बार अपनी ही सरकार के खिलाफ पायलट की पदयात्रा

सचिन का सवाल : पेपर लीक कांड आरोपी के मकान पर क्यों नहीं चला बुलडोजर?

जयपुर, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राजस्थान सरकार के डिप्टी चीफ मिनिस्टर सचिन पायलट ने एक महीने पहले अपनी सरकार के खिलाफ जयपुर में अनशन भी किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के भ्रष्टाचारों की जांच नहीं की जा रही है। पायलट एक महीने में दूसरी बार अपनी ही सरकार के खिलाफ मैदान में उतरे हैं। उनकी जनसंघर्ष यात्रा अजमेर से जयपुर चल पड़ी है।

वह पेपर लीक मुद्दे और करप्शन के खिलाफ पांच दिन की पदयात्रा निकाल रहे हैं। अजमेर में जनसभा में उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में करप्शन के मुद्दे पर वसुंधरा राजे को हमने ललकारा था, उसके बाद कांग्रेस सत्ता में आई। सचिन गुरुवार को सुबह ट्रेन से अजमेर पहुंचे थे। रेलवे स्टेशन पर उन्होंने कहा कि ये जनसंघर्ष यात्रा जनता के बीच जाने और उनकी बात सुनने की यात्रा है। पायलट की जनसंघर्ष यात्रा के पोस्टर में राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा के फोटो नहीं हैं। पोस्टर में सिर्फ सोनिया गांधी का फोटो है। जनसभा में पायलट ने कहा कि राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन में पेपर लीक हुए। नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ किया गया। पहली बार कोई आरपीएससी मेंबर गिरफ्तार हुआ है, लेकिन इसके तार और कहीं जुड़े हैं? जब पिपली के किसी दलाल पर बुलडोजर चल सकता है तो इस आरपीएससी मेंबर कटारा के मकान पर पर बुलडोजर क्यों नहीं चल सकता? सचिन की यात्रा को लेकर कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को रिपोर्ट देंगे।

इस बार भी पायलट खेमे के विधायक शामिल नहीं

गहलोत साहब ने आरोप लगाए थे कि बजरी माफिया, शराब माफिया, जमीन माफिया लोगों के बीच में लगातार लूट हुई। कर्नाटक में 40 प्रतिशत की सरकार थी, इसलिए भाजपा की विदाई तय पायलट ने कहा कि कर्नाटक में 40प्रतिशत की सरकार है, बीजेपी की सरकार को कर्नाटक में हराकर कांग्रेस इसलिए जीत रही है। वहां पर हमने भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया और कर्नाटक में बीजेपी सरकार की विदाई तय है। समर्थक विधायक पदयात्रा में शामिल नहीं पायलट की राजस्थान लोक सेवा आयोग भवन के बाहर सभा के बाद जनसंघर्ष यात्रा शुरू हो गई। समर्थकों के काफिले के साथ यात्रा जयपुर के लिए चल पड़ी है। इससे पूर्व सचिन जब सभा में पहुंचे तो उनका पुष्कर के पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया। जनसभा और पदयात्रा में पायलट खेमे के विधायक शामिल नहीं हैं। पिछले महीने जयपुर में हुए अनशन में भी ये विधायक शामिल नहीं हुए थे।

तीसरे मोर्चे की संभावना नहीं, पीएम मोदी से मिलकर बोले सीएम पटनायक

दिल्ली में ओडिशा से जुड़े विकास कार्यों पर की चर्चा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ओडिशा सीएम नवीन पटनायक ने गुरुवार को तीसरे मोर्चे की संभावना को खारिज कर दिया। दरअसल अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले कुछ विपक्षी दल भाजपा के खिलाफ गैर-कांग्रेसी मोर्चा बनाने की कोशिश में हैं। ऐसे में नवीन पटनायक का बयान इन दलों के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। ओडिशा के मुख्यमंत्री का ये बयान तब आया है जब गुरुवार को दिन में उन्होंने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। 2024 के लोकसभा चुनावों में तीसरे मोर्चे की संभावना के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पटनायक ने कहा कि नहीं, जहां तक मेरा संबंध है। अभी (तीसरे मोर्चे की संभावना) नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी के अपने दौरे के दौरान पटनायक ने ओडिशा से जुड़े विकास कार्यों के सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी।

पीएम मोदी के मुलाकात के बाद पटनायक ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से मिला और हमने उड़ीसा की मांग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। मैंने अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए बात की जो कि हमें पुरी में स्थापित करना है। भुवनेश्वर में अब बहुत अधिक ट्रैफिक हो रहा है इसलिए हम एक विस्तार चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह निश्चित रूप से हर संभव मदद करेंगे। पटनायक ने इससे पहले राष्ट्रपति चुनाव से एक महीने पूर्व 30 मई, 2022 को मोदी से मुलाकात की थी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मंगलवार को हुई मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर पटनायक ने कहा कि यह शिष्टाचार मुलाकात थी। नीतीश कुमार 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ उन्हें एक साथ लाने के प्रयास में विपक्षी नेताओं से मिल रहे हैं। नीतीश कुमार ने भी पटनायक से मुलाकात के बाद कहा था कि उनकी कोई राजनीतिक मंशा नहीं थी। कुमार पिछले साल भाजपा से गठबंधन तोड़ कर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से बाहर आ गए थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को यहां कहा कि अगर अधिक से अधिक विपक्षी दल एक साथ काम करते हैं और एकजुट होते हैं तो अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ मुकाबले में अच्छे परिणाम आएंगे। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ मुंबई में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता उद्धव ठाकरे के आवास पर उनसे मुलाकात करने के बाद कुमार संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

ये मौसम और बारिश...

हैदराबाद में गुरुवार को दोपहर के समय अचानक से बरसात शुरू हो गई। इस दौरान पुराने शहर चारमीनार में बारिश की चपेट में एक परिवार घिर गया।

नीतीश से बोले उद्धव, आप आए और फैसला भी आया

पटना, (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने गुरुवार को मुंबई में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की। दोनों नेता ने विपक्षी एकता पर नीतीश के पहल का स्वागत किया। सीएम नीतीश सबसे पहले उद्धव ठाकरे से मिलने सीधे मातोश्री गए। दोनों नेताओं ने मुलाकात की, फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उद्धव बोले कि इतने दिनों से हमारी लड़ाई सर्वोच्च न्यायालय में चल रही थी। आज आप भी आ गए और फैसला भी।

महाराष्ट्र के सीएम और डिप्टी सीएम को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। उद्धव ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज पहली बार मातोश्री आए हैं। सब उनकी मंशा जानते हैं। ऐसे हालात पैदा हो गए हैं कि देश में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। नीतीश विपक्ष और देशभक्तों को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। देश को गुलाम बनाने वालों को घर भेजेंगे। बिहार सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हम चाहते हैं ज्यादा से ज्यादा पार्टियां एकजुट हों।

नौ माह बाद आरसीपी ने थामा भाजपा का दामन

पटना, एजेंसी। जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह बीजेपी में शामिल हो गए हैं। उन्हें दिल्ली के भाजपा ऑफिस में केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। बीजेपी में शामिल होने के बाद उन्होंने कहा कि मेरे लिए ये गौरव और गर्व का पल है। इधर, जदयू ने कहा कि आज भाजपा में एक विभीषण शामिल हुए हैं।

कुर्सी के प्यार में नीतीश, वे पीएम मतलब हैं पल्टीमार

प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने उन्हें शुभकामना भी दी। नीतीश कुमार को सब पीएम कहते हैं। मैंने भी उन्हें कहा कि आप पीएम थे, पीएम हैं और पीएम रहेंगे। पीएम मतलब पल्टीमार। उन्होंने कितनी बार विश्वासघात किया है। आरसीपी सिंह सीएम नीतीश के काफी करीबी रहे हैं। आरसीपी सिंह ने कहा, नीतीश जी बोलते हैं कि देश में कोई काम नहीं हो रहा है। वो देखें आज देश कहां चला गया है और बिहार कहां खड़ा है।

सैनिक की खुद की राइफल से चली गोली से मौत, जांच शुरू

पुंछ, (एजेंसी)। नियंत्रण रेखा के साथ सटे जिला पुंछ में गुरुवार को एक सैन्यकर्मी की दुर्घटनावश अपनी ही राइफल से निकली गोली के लगने से मौत हो गई। पुलिस व सैन्य प्रशासन ने इस सिलसिले में अलग-अलग मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना पुंछ में एलओसी के साथ सटे मेंढर सेक्टर में एक अग्रिम शिविर में हुई है। बताया जा रहा है कि लांस नायक जसबीर सिंह के हाथ से उसकी राइफल अचानक छूट गई और जब वह उसे संभालने का प्रयास कर रहा था तो राइफल का ट्रिगर दब गया। इससे गोली चल गई और वह उसके शरीर को भेदते हुए निकल गई।

मौके पर पहुंचकर उन्होंने देखा कि जसबीर सिंह घायल पड़ा है। उसे उसी समय निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक ने दो जुड़वा बच्चे पटककर मारे

गया, (एजेंसी)। बिहार में गया शहर में मगध मेडिकल थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपने दो जुड़वा पुत्रों की जमीन पर पटक कर हत्या कर दी। मगध मेडिकल थाना प्रभारी शैलेश कुमार ने गुरुवार को यहां बताया कि मगध कॉलोनी रोड नंबर 05 निवासी देवेश शर्मा ने पारिवारिक विवाद के कारण बुधवार की देर रात अपने चार माह के दो जुड़वा बच्चों को जमीन पर पटक कर मार डाला। घटना के बाद से देवेश शर्मा फरार है। वह टेंपो चलाने का कार्य करता है।

परिसीमन से राजनीतिक और आर्थिक असंतुलन

जयपुर, (ब्यूरो)। मुक्त मंच की 69वीं संगोष्ठी बढ़ती आबादी संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर परमहंस योगिनी डॉ. पुष्पलता गर्ग के सान्निध्य में हुई, जिसमें राजीव गांधी पोपुलेशन मिशन राजस्थान के निदेशक देवेंद्र कोठारी मुख्य अतिथि थे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. नरेंद्र शर्मा कुसुम ने अध्यक्षता की। शब्द संसार के अध्यक्ष श्रीकृष्ण शर्मा ने संगोष्ठी का संयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्याविद् श्री कोठारी ने कहा कि 2026 के परिसीमन से राजनीतिक और आर्थिक असंतुलन पैदा हो जाएगा। इससे जहां उत्तरप्रदेश में लोकसभा सीटों में बेहतहाशा बढ़ोतरी हो जाएगी वहीं दक्षिण भारत के राज्यों में सीटें घटने से भाजपा को लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि वित्त आयोग जनसंख्या पर वित्तीय सुविधाएं प्रदान करता है। यह मिथ्या और कुप्रचार है कि मुसलिम आबादी बढ़ रही है। अध्यक्ष डॉ. कुसुम ने कहा कि सिद्धांत ही राजनीति अपनी वोट कैचिंग मानसिकता की नीति अपनाती है जो समस्या के समाधान में बाधक है।

दरगाह में हिंदू युवती ने मांगी नमाज पढ़ने की इजाजत, अब कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

नैनीताल, (एजेंसी)। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश की एक हिंदू युवती की ओर से रूड़की की पिरान कलियर दरगाह में नमाज पढ़ने और उसे सुरक्षा मुहैया कराए जाने के मामले में सरकार से जवाब मांगा है। साथ ही युवती को असुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय पुलिस थाना में आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

नीमच की युवती ने दायर की याचिका

मप्र नीमच निवासी भावना व फरमान की ओर से एक याचिका दायर कर अदालत से पिरान कलियर दरगाह में नमाज पढ़ने की अनुमति देने और उसे सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी एवं न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की युगलपीठ में हुई।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा रूड़की के रोशनाबाद में हर्बल फैक्ट्री में वह नौकरी करती है। पिरान कलियर दरगाह में उसकी आस्था है। वह दरगाह में नमाज अदा करना चाहती है। उसे कट्टरवादी संगठनों से खतरा है। इसलिए उसे सुरक्षा मुहैया कराने के साथ ही नमाज अदा करने की अनुमति दी जाए। वीडियो कांफ्रेंस से युवती से अदालत में पेश हुई।

पंजाब के नंगल में गैस लीक

25 स्कूली छात्रों समेत कई पहुंचे अस्पताल

खरड़, (एजेंसी)। पंजाब में रोपड़ स्थित नंगल में गुरुवार की सुबह एक फैक्टरी से गैस लीक होने के बाद हड़कंप मच गया। फैक्टरी के नजदीक बने सेंटर सोल्जर प्राइवेट स्कूल के 24-25 बच्चों समेत कई लोग इसकी चपेट में आए। गले और सिर में दर्द की शिकायत के बाद सभी को नंगल सिविल अस्पताल पहुंचाया गया।

इनमें से कई लोगों की हालत ज्यादा खराब थी। एक बच्ची की हालत ज्यादा गंभीर होने पर उसे चंडीगढ़ पीजीआई रेफर कर दिया गया। घटना के समय स्कूल में करीब 2400 बच्चे मौजूद थे। पंजाब के शिक्षामंत्री हरजोत बैंस के अलावा रोपड़ की डीसी प्रीति यादव और एसएसपी विवेकशील सोनी समेत तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

एहतियात के तौर पर पूरे एरिया को सील कर दिया गया। सेहत महकमे की कई टीमें एंबुलेंस के साथ मौके पर तैनात कर दी गई। कहा जा रहा है कि जिस जगह गैस लीक हुई, वहां 300 से 400 लोग हर समय मौजूद रहते हैं। फिलहाल मौके पर राहत कार्य जारी है।

अब माफिया शाइस्ता भी बनेगी हिस्ट्रीशीटर

लखनऊ, (ब्यूरो)। माफिया अतीक अहमद की फरार पत्नी शाइस्ता परवीन माफिया और अपराधी बताए जाने पर जहां सियासी बखेड़ा खड़ा हो गया है। वहीं अब माफिया करार दिए जाने के बाद शाइस्ता परवीन की हिस्ट्रीशीट खोलने की तैयारी है।

हिस्ट्रीशीट खुलने के बाद शाइस्ता परवीन माफिया के साथ ही अब हिस्ट्रीशीटर भी बनेगी। प्रयागराज के खुल्दाबाद थाने में शाइस्ता परवीन की हिस्ट्रीशीट खोले जाने की तैयारी हो रही है। शाइस्ता परवीन के खिलाफ दर्ज आधा दर्जन आपराधिक मुकदमों के आधार पर हिस्ट्रीशीटर खोलने की तैयारी की जा रही है।

मुख्तार अंसारी की सवा करोड़ की संपत्ति कुर्क

गाजीपुर, (ब्यूरो)। बांदा जेल में बंद पूर्व विधायक और माफिया मुख्तार अंसारी की सवा करोड़ की बेनामी संपत्ति को कुर्क कर लिया गया। गुरुवार को लखनऊ से गाजीपुर आई आयकर विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की।

यह संपत्ति मुख्तार के करीबी गणेश दत्त मिश्रा के नाम पर शहर के कपूरपुर में 0.117 हेक्टेयर और 0.254 हेक्टेयर थी। आयकर विभाग के अधिकारी अभिषेक सहाय की अगुवाई में टीम गुरुवार सुबह गाजीपुर पहुंच गई थी। स्थानीय पुलिस-प्रशासन का सहयोग लेकर करीब दो बजे पूरी टीम कपूरपुर स्थित गणेश दत्त मिश्रा की अचल संपत्ति को कुर्क करने पहुंची। वहां नोटिस लगाने के साथ ही मुनादी और कुर्की की कार्रवाई शुरू हुई।

विश्व विरासत सूची में हो शांति निकेतन का नाम

कोलकाता, (एजेंसी)। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के शांति धाम शांतिनिकेतन को यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर की सलाहकार संस्था इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स (आईसीओएमओएस) ने विश्व विरासत सूची में शामिल करने की सिफारिश की है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर भारत के लिए अच्छी खबर है।

विरासत दिखाने के लिए पीएम का दृष्टिकोण

पश्चिम बंगाल में शांतिनिकेतन को यूनेस्को विश्व विरासत केंद्र के सलाहकार निकाय, आईसीओएमओएस द्वारा विश्व विरासत सूची में शामिल करने की सिफारिश की गई है। श्री रेड्डी ने कहा कि यह दुनिया को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत दिखाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। सितंबर 2023 में सऊदी अरब के रियाद में होने वाली विश्व विरासत समिति की बैठक में औपचारिक रूप से इसकी घोषणा की जाएगी। बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने गुरुदेव के अनुयायियों की ओर से पीएम मोदी का आभार माना।

आईएमसी प्रमुख तौकीर ने बोले भड़काऊ बोल, हुई एफआईआर

बरेली, (एजेंसी)। उप्र में बरेली के फरीदपुर में चुनावी सभा में दिए भड़काऊ भाषण बोलने पर पुलिस ने इत्तेहादे -ए -मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा पर प्राथमिकी दर्ज की है। आरोप है कि उन्होंने पिछले दिनों सामाजिक सद्भावना बिगाड़ने के उद्देश्य से विवादित भाषण दिया था।

वीडियो और साक्ष्यों की होगी जांच

फरीदपुर इंस्पेक्टर दयाशंकर ने बताया विवादित भाषण देने पर आईएमसी प्रमुख तौकीर रजा खां के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। अब वीडियो और स्थानीय स्तर पर मिले साक्ष्यों पर विवेचना होगी। उन्होंने बताया कि दरोगा गौरव कुमार की ओर से धारा 295-ए के तहत रिपोर्ट लिखाई गयी है। इसमें बताया गया है कि सात मई को आईएमसी अध्यक्ष तौकीर रजा ने फरीदपुर में अपनी चुनावी जनसभा विवादित भाषण दिए थे। उन्होंने धार्मिक भावनाओं के आधार पर लोगों को भटकाया अनुचित और अशोभनीय शब्दों का प्रयोग किया।

हरियाणा में द केरल स्टोरी टैक्स फ्री, सीएम का ट्वीट

चंडीगढ़, (एजेंसी)। यूपी और एमपी के बाद अब द केरल स्टोरी फिल्म को हरियाणा में भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी। गत दिवस हरियाणा कैबिनेट की बैठक में इस फिल्म पर चर्चा हुई थी। फिल्म को टैक्स फ्री करने पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा था कि अभी कमेटी इसको देख रही है। कमेटी के फैसले के बाद ही इस पर फैसला लिया जाएगा। हालांकि बुधवार को सीएम ने टैक्स फ्री करने की घोषणा कर दी। इससे पहले गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने फिल्म पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। वहीं प. बंगाल में फिल्म को प्रतिबंधित करने पर कहा था कि ममता बनर्जी को सच्चाई अच्छी नहीं लगती। वह सच्चाई को छिपाना चाहती हैं। फिल्म पर प्रतिबंध लगाना अभिव्यक्ति की आजादी पर प्रहार है।

KKR को 9 विकेट से रौंदकर नंबर-3 पर पहुंची RR

आईपीएल सीजन 16: चहल और जायसवाल ने लिखी रॉयल्स के वर्चस्व की कहानी

कोलकाता। अनुभवी लेग-स्पिनर युजवेंद्र चहल (25/4) की घातक गेंदबाजी के बाद युवा प्रतिभावान सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (98 नाबाद) के तूफानी अर्द्धशतक की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के एकतरफा मुकाबले में केकेआर को नौ विकेट से रौंद दिया। केकेआर वेंकटेश अय्यर (42 गेंद, 57 रन) के जुझारू अर्द्धशतक की मदद से रॉयल्स के सामने 150 रन का लक्ष्य ही रख सकी। जायसवाल अपने दूसरे आईपीएल शतक तक नहीं पहुंच सके, लेकिन उन्होंने कप्तान संजू सैमसन (48 नाबाद) के साथ मिलकर रॉयल्स को 13.1 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया। जायसवाल ने अपनी आतिशी बल्लेबाजी से ईडन गार्डन को रौशन करते हुए 47 गेंद पर 13 चौकों और पांच छक्कों के साथ नाबाद 98 रन बनाए, जबकि सैमसन ने 29 गेंद पर दो चौकों और पांच छक्कों की मदद से 48 रन की नाबाद पारी खेली। इससे पहले चहल ने चार ओवर में 25 रन देकर चार विकेट लिए।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4/6
जेसन रॉय कै.हेटमायर बो.बोल्ट	10	8	2/0
रहमानउल्लाह गुरबाज कै.संदीप बो.बोल्ट	18	12	1/2
वेंकटेश अय्यर कै.बोल्ट बो.चहल	57	42	2/4
नितीश राणा कै.हेटमायर बो.चहल	22	17	2/0
आंद्रे रसल कै.अश्विन बो.आसिफ	10	10	0/1
रिंकू सिंह कै.रूट बो.चहल	16	18	0/1
शार्दुल ठाकुर पगबाधा बो.चहल	1	2	0/0
अनुकूल रॉय नाबाद	6	6	0/0
सुनील नरेन कै.रूट बो.संदीप	6	5	1/0

अतिरिक्त: 3, **कुल**: 20 ओवर में 149/8, **विकेट पतन**: 1-14, 2-29, 3-77, 4-107, 5-127, 6-129, 7-140, 8-149, **गेंदबाजी**: ट्रेंट बोल्ट 3-0-15-2, संदीप शर्मा 4-0-34-1, रवि अश्विन 4-0-32-0, जो रूट 2-0-14-0, युजवेंद्र चहल 4-0-25-4, केएम आसिफ 3-0-27-1.

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4/6
यशस्वी जायसवाल नाबाद	98	47	12/5
जॉस बटलर रन आउट	0	3	0/0
संजू सैमसन नाबाद	48	29	2/5

अतिरिक्त: 5,
कुल: 13.1 ओवर में 151/1, **विकेट पतन**: 1-30, **गेंदबाजी**: नितीश राणा 1-0-26-0, हर्षित राणा 2-0-22-0, शार्दुल ठाकुर 1.1-0-18-0, वरुण चक्रवर्ती 3-0-28-0, सुनील नरेन 2-0-13-0, सुयश शर्मा 3-0-22-0, अनुकूल रॉय 1-0-20-0.

जायसवाल ने ठोकी 13 गेंदों में सबसे तेज फिफ्टी

रॉयल्स के सामने 150 रन का मामूली लक्ष्य रखने के बाद केकेआर को ईडन की धीमी पिच से मदद की उम्मीद थी। कप्तान नीतीश राणा ने अपनी ऑफ-स्पिन के साथ केकेआर की गेंदबाजी की शुरुआत की, हालांकि यह पैंतरा उन पर उल्टा पड़ गया। जायसवाल ने नीतीश के इस ओवर में 26 रन जोड़कर विकेट पर अपने पांव जमा लिए। अगले ओवर में जोस बटलर भले ही रनआउट हो गए, लेकिन जायसवाल की आंधी ने केकेआर को बेबस कर दिया। इस युवा बल्लेबाज ने 13 गेंदों में आईपीएल का सबसे तेज अर्द्धशतक पूरा करते हुए रॉयल्स को पावरप्ले में 78 रन तक पहुंचाया। रॉयल्स को जब जीत के लिए तीन रन की जरूरत थी तब जायसवाल 94 रन पर खेल रहे थे।

आईपीएल इतिहास में सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले खिलाड़ी

- 13 गेंदों में : यशस्वी जायसवाल (राजस्थान रॉयल्स) बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स, 2023
- 14 गेंदों में : केएल राहुल (पंजाब किंग्स) बनाम दिल्ली कैपिटल्स, मोहाली, 2018
- 14 गेंदों में : पैट कुमिंस (कोलकाता नाइट राइडर्स) बनाम मुंबई इंडियंस, पुणे, 2022

अंक तालिका में राजस्थान रॉयल्स ने मारी उछाल

रॉयल्स इस जीत के बाद 12 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर आ गई है, जबकि सातवें स्थान पर मौजूद केकेआर 12 मैचों में सातवीं हार के बाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है।

युजवेंद्र चहल बने आईपीएल के ओवरऑल टॉप विकेटटेकर गेंदबाज

कोलकाता। राजस्थान रॉयल्स के लेग-स्पिनर युजवेंद्र चहल गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। चहल ने मैच के अपने पहले ही ओवर में केकेआर के कप्तान नीतीश राणा का विकेट लेकर यह उपलब्धि हासिल की। चहल के नाम अब 143 मैचों में 184 विकेट हो गए हैं। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज खिलाड़ी ड्वेन ब्रॉवो के 183 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। चहल ने 2022 सीज़न की 17 पारियों में 27 विकेट लेकर पर्पल कैप जीता था और उपविजेता रॉयल्स को फाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मुंबई इंडियन्स के साथ 2011 में अपना आईपीएल करियर शुरू करने वाले चहल ने 2014 में रॉयल चैलेंजर्स का दामन थामा था, जहां उनके करियर ने ऊंची उड़ान भरी। आठ साल तक आरसीबी का हिस्सा रहने के बाद चहल 2022 में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बन गए थे।

आईपीएल के ऑलटाइम टॉप-5 विकेटटेकर

खिलाड़ी	मैच	विकेट
युजवेंद्र चहल	143	187
ड्वेन ब्रॉवो	161	183
पीयूष चावला	176	174
अमित मिश्रा	160	172
रविचंद्रन अश्विन	196	171

जियो सिनेमा पर व्यू की संख्या 1300 करोड़ के पार

मुंबई। आईपीएल 2023 के आधिकारिक डिजिटल स्ट्रीमिंग साझेदार जियो सिनेमा ने लीग के माध्यम से शुरुआती पांच सप्ताह में 1300 करोड़ से अधिक वीडियो व्यू हासिल किए हैं। वायाकॉम18 स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के अनिल जयराज ने कहा, जियो सिनेमा हर गुजरते सप्ताह के साथ लगातार मजबूत हो रहा है। यह इसलिए संभव हो सका है, क्योंकि दर्शकों ने आईपीएल 2023 देखने के लिए डिजिटल मंच को अपनी पहली पसंद बना लिया है। हम अपने सभी प्रायोजकों, विज्ञापनदाताओं और साझेदारों को हम पर विश्वास दिखाने के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं, क्योंकि इनके सहयोग से हम हर फैन के टाटा आईपीएल देखने के अनुभव को बेहतर बनाना जारी रख सकते हैं। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि जियो सिनेमा ने पांच दिनों के अंतराल में दो बार सर्वाधिक दर्शक दर्ज करने के रिकॉर्ड को तोड़ा। जियो सिनेमा पर 12 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स मैच के दौरान 2.23 करोड़ दर्शक दर्ज किए। पांच दिन बाद, रॉयल चैलेंजर्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स के मैच के दौरान जियोसिनेमा पर दर्शकों की संख्या 2.4 करोड़ तक पहुंच गई थी।

ऑरेंज कैप

मैच	सर्वश्रेष्ठ	औसत	चौके	छक्के	50	100
11	84	57.60	45	32	6	0

स्थान	प्लेयर	मैच	रन	सर्वश्रेष्ठ	औसत	4	6	50	100
2	यशस्वी	12	575	124	52.27	74	26	4	1
3	शुभमन गिल	11	469	94*	46.90	49	13	4	0
4	डेवोन कॉन्वे	12	468	92*	52.00	55	13	5	0
5	विराट कोहली	11	420	82*	42.00	39	11	6	0

पर्पल कैप

मैच	विकेट	इकोनॉमी	बेस्ट बॉलिंग	4/5 विकेट
12	21	7.91	17/4	3/0

स्थान	प्लेयर	मैच	विकेट	बेस्ट	इकोनॉमी	4/5 विकेट
2	मो. शमी	11	19	11/4	7.23	1/0
3	राशिद खान	11	19	14/3	8.09	0/0
4	तुषार देशपांडे	12	19	45/3	10.01	0/0
5	पीयूष चावला	11	17	22/3	7.46	0/0

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात टाइटंस	11	08	03	16	0.951
चेन्नई सुपर किंग्स	12	07	04	15	0.493
राजस्थान रॉयल्स	12	06	06	12	0.633
मुंबई इंडियंस	11	06	05	12	-0.255
लखनऊ सुपर जायंट्स	11	05	05	11	0.294
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	11	05	06	10	-0.345
कोलकाता नाइट राइडर्स	12	05	07	10	-0.357
पंजाब किंग्स	11	05	06	10	-0.441
सनराइजर्स हैदराबाद	10	04	06	08	-0.472
दिल्ली कैपिटल्स	11	04	07	08	-0.605

Filmi तड़का

सारा अली खान पहुंचीं केदारनाथ

पूरे भक्ति भाव से की शिव की आराधना

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान बीते दिनों उत्तराखंड आई हुई थीं। उन्होंने तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ के दर्शन किए। करीब पांच घंटे तक वह वहां रहीं और दोपहर के भोजन के उपरांत वापस चोपता लौट गईं। खराब मौसम के कारण सारा चंद्रशिला तक नहीं पहुंच पाईं, लेकिन रास्ते से ही उन्होंने बर्फ से सराबोर क्षेत्र की खूबसूरती को निहारा। उषाड़ा गांव के पर्यटक गाइड दिनेश बजवाल ने बताया कि सारा अली खान बीते छह मई को तुंगनाथ पहुंची थीं। वे चोपता से पैदल ही साढ़े तीन किमी की दूरी तय कर मंदिर पहुंची थीं। उन्होंने तृतीय केदार के दर्शन किए और भगवान शिव की स्तुति की। इस दौरान वहां मौजूद पुजारियों ने उन्हें तिलक लगाया और प्रसाद भेंट किया।

तुंगनाथ में जमीन पर बैठकर किया भोजन

दोपहर बाद करीब एक बजे वह तुंगनाथ से चंद्रशिला के लिए निकलीं, लेकिन रास्ते में ही मौसम खराब होने व बर्फबारी के कारण वापस लौट आईं। इस दौरान उन्होंने प्रकृति के खूबसूरत नजारों का भरपूर आनंद लिया। बताया कि खराब मौसम होने से वे वापस तुंगनाथ पहुंचीं और करीब तीन घंटे तक रुकी रहीं। इस दौरान उन्होंने जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण किया। साथ ही पुजारियों, हक-हकूकधारियों और यात्रियों से बातचीत भी की। इसके बाद वे शाम को वापस लौट गईं।

बाबा के सानिध्य में बिताए दो दिन

सात मई को सारा केदारनाथ गईं। जहां दो दिन तक बाबा केदार के सानिध्य में रहते हुए वे बीते मंगलवार को वापस घर लौट गई थीं। बता दें कि वर्ष 2018 में अभिषेक कपूर के निर्देशन में निर्मित हिंदी फिल्म केदारनाथ से सारा अली खान ने बालीवुड में प्रवेश किया था। इस फिल्म की शूटिंग केदारघाटी के त्रियुगीनारायण व केदारनाथ के साथ-साथ चोपता और चोपता-तुंगनाथ पैदल मार्ग पर भी की गई थी।

द केरला स्टोरी अब इंटरनेशनल

37 देशों में रिलीज की तैयारी...

मुंबई। फिल्म के कंटेंट को लेकर इन दिनों 'द केरला स्टोरी' की खासी चर्चा हो रही है कोई सकारात्मक विचार रख रहा है और इसके सपोर्ट में है। वहीं, कई लोग फिल्म का विरोध कर रहे हैं, लेकिन इन सबसे इतर फिल्म बड़े पर्दे पर अच्छा बिजनेस कर रही है और फिल्म की कमाई भी भी इजाफा हो रहा है। फिल्म में 'शालिनी उन्नीकृष्णन' का किरदार निभाने वाली अदा शर्मा लोगों के रेस्पॉन्स को देखकर काफी खुश हैं। बता दें कि आज अदा का बर्थडे हैं और इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए खास जानकारी शेयर की है। साथ ही अदा ने अपने फैंस को इतना प्यार देने के लिए शुक्रिया भी अदा किया है।

पांच दिन में 50 करोड़ पार : अदा ने ट्विटर पर अपना एक फोटो शेयर कर बताया है कि अब फिल्म इंटरनेशनल लेवल रिलीज होने जा रही है। अदा ने लिखा, 'आप सभी करोड़ों लोगों को धन्यवाद, जो यह फिल्म देखने जा रहे हैं। आप लोगों ने इसे ट्रेंड में ला दिया है। मेरी परफॉर्मेंस पसंद करने के लिए बहुत सारा धन्यवाद। अब इस वीकेंड 'द केरल स्टोरी' इंटरनेशनल लेवल पर 37 देशों में रिलीज हो रही है। बॉक्स ऑफिस पर इसके कलेक्शन की अगर बात करें तो 5 दिन में करीब 50 करोड़ की कमाई हो चुकी है।

अब मैं केवल लीड रोल ही करूंगा, भले ही खुद पैसा लगाना पड़े

मुंबई। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में बताया कि वो अब केवल लीड रोल ही करेंगे, भले ही उन्हें अपनी फिल्म के लिए खुद पैसा लगाना पड़े। एक्टर ने कहा जरूरी नहीं है कि उन्हें फिल्म में हीरो दिखाया जाए, लेकिन उनका किरदार अहम होना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सलमान और शाहरुख के साथ काम करने को लेकर भी बात की। एक इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि मैं सलमान या शाहरुख के साथ काम नहीं करना चाहता। पहले भी इस इंडस्ट्री में लीड और साइड रोल के बीच अंतर रहा है। चाहे वो दुनिया की कोई भी फिल्म इंडस्ट्री हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन यहां सपोर्टिंग रोल्स को महज नाम मात्र रखा जाता है। मैं किसी तरह से इससे बच गया हूं, अब मैं उस गलती को दोहराना नहीं चाहता। मैं केवल लीड रोल ही करूंगा, भले ही मुझे फिल्म में खुद पैसा लगाना पड़े।' नवाज ने आगे कहा- 'जैसे मैंने रईस में काम किया, मेरा किरदार शाहरुख के अपोजिट था और बेहद जरूरी भी। मैंने हीरोपंती 2 में भी काम किया।

पहलवानों ने माथे पर काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे पहलवानों ने प्रदर्शन के 18वें दिन गुरुवार को अपने बाजुओं और माथे पर काली पट्टी बांधकर अपना रोष जताया। जंतर-मंतर पर विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और अन्य पहलवानों ने काली पट्टी बांधी तथा 11 मई को काला दिवस करार दिया। प्रदर्शन स्थल पर मौजूद अन्य समर्थकों ने भी अपनी बाजुओं पर काली पट्टी बांधी। उल्लेखनीय है कि देश के कई नामचीन पहलवानों ने बृजभूषण पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाये हैं। जनवरी 2022 में सरकार द्वारा जांच समिति के गठन के बाद पहलवानों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया था, लेकिन जांच समिति के काम करने के तरीके से नाखुश होकर वे अप्रैल में प्रदर्शन के लिए आगे आये और अब दिल्ली पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ दो प्राथमिकियां दर्ज की हैं, जिनमें से एक पॉक्सो यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण की धारा 10 से भी संबंधित है। दिल्ली पुलिस ने इसी सप्ताह एक नाबालिग सहित सात महिला पहलवानों के बयान दर्ज किये हैं। नाबालिग पहलवान ने बुधवार को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत एक मजिस्ट्रेट के समक्ष भी अपना बयान दर्ज कराया।

15 साल बाद बार्सिलोना से अलग होंगे सर्जियो

बार्सिलोना । बार्सिलोना के मिडफिल्डर सर्जियो बुस्केट्स ने साफ किया है कि इस साल जून के बाद वह इस क्लब से अलग हो जाएंगे। बार्सिलोना के साथ उनका अनुबंध इसी साल जून में खत्म हो रहा है और सार्जियो ने पहले ही बता दिया है कि इस क्लब के साथ उनका अनुबंध आगे नहीं बढ़ेगा। बार्सिलोना के लिए सार्जियो ने एक दशक से ज्यादा समय में शानदार प्रदर्शन किया और कई खिताब भी जीते हैं। बुस्केट्स ने कहा, यह घोषणा करने का समय आ गया है कि यह बार्सिलोना में मेरा आखिरी सीजन है। यह एक अविस्मरणीय यात्रा रही है। यह एक सम्मान, एक सपना, एक गौरव रहा है। इतने सालों से इस बैज का बचाव और प्रतिनिधित्व करने में सक्षम होने के लिए यह सब कुछ रहा है, लेकिन हर चीज की शुरुआत और अंत होता है।

तीरंदाज अतानु दास टॉप्स में पुन: शामिल

नई दिल्ली। ओलंपियन तीरंदाज और विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अतानु दास को घरेलू आयोजनों एवं तीरंदाजी विश्व कप अंताल्या में उनके हालिया प्रदर्शन के बाद युवा मामले और खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना टॉप्स में फिर से शामिल कर लिया गया है। मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी सूचना दी। विश्व कप में पुरुषों की रिकर्व एकल रैंकिंग में चौथा स्थान हासिल करने के लिए 673 अंक हासिल करने वाले अतानु लगभग डेढ़ साल बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी कर रहे थे। अतानु के अलावा राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल में 10 मीटर एयर राइफल इवेंट जीतने वाली निशानेबाज मेहुली घोष और कैरो विश्व कप में 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य जीतने वाली 15 वर्षीय तिलोत्तमा सेन को भी टॉप्स में शामिल किया गया है।

मैच नंबर 57, शुक्रवार 12 मई, वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई

रीवा और भोपाल के बीच मैच टाई

इंटर डिवीजन क्रिकेट टूर्नामेंट अंडर-22

भोपाल। रीवा संभाव व भोपाल संभाग के बीच फेथ क्रिकेट मैदान पर खेला गया एकदिवसीय मैच टाई हो गया। एमपीसीए के अंतर्गत अंडर-22 बायज लिमिटेड ओवर्स डिवीजन टूर्नामेंट 2022-2023 भोपाल डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित फेथ क्रिकेट क्लब मैदान में रीवा संभाग व भोपाल संभाग के बीच मैच खेला गया। रीवा संभाग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.1 ओवरों में 293 रन बनाये। रीवा संभाग के शिवांग कुमार ने 12 चौके और 5 छक्कों की मदद से 136 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। मयूर पटेल और सनी पटेल ने 39-39 रन बनाए। अमरजीत यादव ने 23 रन, रोहित गुप्ता ने 19 रन एवं सागर प्रताप सिंह ने 15 रनों का योगदान दिया। भोपाल संभाग से गेंदबाजी करते हुए प्रियांशु शुक्ला और रितिक टाटा ने 3-3 विकेट, युवराज नेमा, पृथ्वीराज तोमर और सार्थक सोनी ने 1-1 विकेट और एक रन आउट हुआ। जवाब में भोपाल संभाग ने बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 293 रन बनाकर पूरी टीम ऑल आउट हो गई। भोपाल संभाग से बल्लेबाजी करते हुए अनिकेत वर्मा ने 98 गेंदों में 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से शानदार 121 रनों की महत्वपूर्ण शतकीय पारी खेली। पृथ्वीराज तोमर ने 45 रन, विकास शर्मा ने 33 रन, प्रारब्ध मिश्रा ने 27 रन, प्रखर शर्मा ने 23 रन, रितिक टाटा ने 15 रन एवं अरहम अकील ने 12 रनों का योगदान अपनी टीम को दिया।

फोगनीनी ने मरे को हराया, वावरिंका भी जीते

रोम। फाबियो फोगनीनी ने 35 साल के दो खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में एंडी मरे को लगभग तीन घंटे में हराकर इटैलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। पैर की चोट के कारण एक महीने तक बाहर रहने के बाद वाइल्ड कार्ड से टूनार्मेंट में प्रवेश करने वाले फोगनीनी ने मरे को6-4, 4-6, 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। फोगनीनी ने मरे के 24 के मुकाबले 49 विनर लगाए। एक अन्य अनुभवी खिलाड़ी स्टेन वावरिंका को इल्या इवाश्का को 6-2, 6-4 से हराने के लिए अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। बारिश के कारण यह मुकाबला 90 मिनट के विलंब से शुरू हुआ। वावरिंका 38 साल के हैं और टूनार्मेंट में हिस्सा ले रहे सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी हैं। एलेक्सांद्र बुबलिक, क्रिस्टियन गेरिन, मार्टन फुकसोविक्स और सबेस्टियन बेइज भी जीत दर्ज करने में सफल रहे। चीन के यू यिबिंग ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फ्रांस के अनुभवी खिलाड़ी रिचर्ड गास्केट को 3-6, 6-3, 6-3 से हराया। महिला वर्ग में लेसिया सुरेंको ने दो बार की चैंपियन यूक्रेन की हमवतन एलिना स्वितोलिना को हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। स्लोएन स्टीफंस ने नादिया पोडोरोस्का को 6-4, 6-1 से शिकस्त दी और अगले दौर में उनकी भिड़ंत 14वीं वरीय विक्टोरिया अजारेंका से होगी।

छूट गई है लेखनी तो इन टिप्स का करें इस्तेमाल

कहा जाता है कि जब किसी कार्य को करने की आदत छूट जाती है तो उसे दोबारा अपने रूटीन का हिस्सा बनाना बेहद कठिन हो जाता है। और अगर बात लिखने की हो तो वापस ट्रैक पर आना लगभग असंभव सा लगता है। लेखन की प्रक्रिया बेहद जटिल है और बेहतर लेखनी के लिए पढ़ना भी उतना ही जरूरी है। लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि लेखन कार्य को दोबारा शुरू नहीं किया जा सकता। इसके लिए आपको बस प्रयोग में लाने होंगे कुछ खास टिप्स जिसकी मदद से आप लिखना दोबारा शुरू कर सकते हैं। इस लेख से माध्यम से जानिए ऐसे ही आसान टिप्स।

ज्यादा से ज्यादा पढ़ने का प्रयास करें

कहा जाता है कि बेहतर बोलने के लिए अधिक सुनना पड़ता है और बेहतर लिखने के लिए अधिक पढ़ना पड़ता है। यह बात बिल्कुल ठीक है कि अगर लेखनी को शुरू करना है या फिर बेहतर करना है तो ज्यादा से ज्यादा पढ़ना पड़ेगा। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे उतना ही आपको लिखने के लिए कंटेंट मिलेगा। और जितना कंटेंट मिलेगा उसी रफ्तार से आप अपनी लिखने की प्रक्रिया को शुरू कर सकते हैं।

बार-बार सुधार करिए

जब हम अपनी लेखनी में सुधार करना शुरू करते हैं तो गलतियां करना बंद कर देते हैं। सबसे जरूरी है कि हम खुद की गलतियों को नजरअंदाज न करें और उनसे सीखें। ऐसा करने से हमारी लेखनी में बेहतर सुधार होगा और लेखन की क्षमता बेहतर होगी।

आराम करिए

हम अक्सर ज्यादा से ज्यादा लिखने के चक्कर में आराम करना भूल जाते हैं और आराम ना करने के चक्कर में हमारा मूड और माइंड दोनों खराब हो जाता है जिससे हमारी लेखनी प्रभावित होती है। लेखक के लिए यह जरूरी है कि आराम कर तसल्ली से कार्य करें ताकि लेखनी सुंदर और बेहतर हो सके। ज्यादा लिखने के चक्कर में लेखनी की क्वालिटी को ताक पर ना रखे।

टाइम टेबल बनाइए

लेखक के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है एक बेहतर टाइम टेबल बनाना ताकि अपनी हर लेखनी को पूरा पूरा समय दिया जा सके। एक टाइम स्लॉट अलग रखें जिसपर लगता है कि आराम से टिक कर लेखन किया जा सकेगा। शुरूआत में थोड़ी कठिनाई होगी लेकिन वक्त के साथ आदत पड़ जाएगी। ●

साइकोलॉजी पढ़ने वाले छात्र इन क्षेत्रों में बना सकते हैं अपना करियर

साइकोलॉजी विविध दृष्टिकोणों से मानव व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है। यह मानवीय धारणा, सीखने, भावनाओं और स्थितियों की प्रतिक्रियाओं को समझने के लिए साइंटिफिक तरीकों का इस्तेमाल करता है। एक साइकोलॉजिस्ट के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य बनाया जा सकता है, जिसमें क्लिनिकल साइकोलॉजी, इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी और ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर, स्कूल साइकोलॉजी, फोरेंसिक साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, रिहैबिलिटेशन, कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस और कई अन्य शामिल हैं। आइए जानते हैं कैसे और किन क्षेत्रों में बनाया जा सकता है करियर।

1- क्लिनिकल साइकोलॉजी

रिहैबिलिटेशन एंड काउंसलिंग साइकोलॉजी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों, गैर सरकारी संगठनों, प्राइवेट क्लीनिकों, फ्रीलांसरों में लाइसेंस प्राप्त क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के रूप में काम किया जा सकता है।

2- इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी एंड ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर

साइकोलॉजिस्ट, संगठनों में सलाहकार, चयन और भर्ती के रूप में कार्य किया जा सकता है।

3- फोरेंसिक साइकोलॉजी

इस क्षेत्र के लोग पुलिस विभागों, अपराध शाखाओं, रक्षा/सेना, कानूनी फर्मों, जांच ब्यूरो आदि में सलाहकार के रूप में कार्य कर सकते हैं।

4- स्कूल साइकोलॉजी

पब्लिक और प्राइवेट स्कूलों, विश्वविद्यालयों, मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों, समुदाय-आधारित उपचार केंद्रों, आवासीय क्लीनिकों और अस्पतालों, किशोर न्याय कार्यक्रमों और निजी क्लीनिकों में स्कूल साइकोलॉजिस्ट के रूप में काम करें।

5- खेल साइकोलॉजी

स्कूल/कॉलेज/विश्वविद्यालय की खेल टीमों, पेशेवर टीमों, खेल पुनर्वास विशेषज्ञ, खेल अनुसंधान विशेषज्ञ और सलाहकारों के लिए खेल साइकोलॉजी के रूप में काम करें।

6- साइकोमेट्री

सरकारी और प्राइवेट संगठनों, सलाहकार और शोधकर्ता के लिए एक पेशेवर टेस्ट डेवलपर और साइकोमेट्रिकियन के रूप में काम करें। ●

GENERAL KNOWLEDGE

सवाल 1- चांद पर खेला जाने वाला प्रथम खेल कौन सा था?

उत्तर-1971 में 6 फरवरी को अपोलो-14 ने चांद की सतह को छुआ था। इस मिशन पर गए अंतरिक्षयात्री एलेन शेफर्ड गोल्फर थे और वो इस मिशन पर अपने साथ गोल्फ स्टिक और गोल्फ की गेंदें भी लेकर गए थे।

सवाल – घुटने की कटोरी का साइंटिफिक नाम क्या है?

उत्तर-घुटने की कटोरी का साइंटिफिक नाम पटेला है।

सवाल – ऐसा कौन सा फूल है जिसका वजन 10 किलो तक होता है?

उत्तर- रेफ्लेसिया. (रेफ्लेशिया फूल मुख्य रूप से मलेशिया और इंडोनेशिया में पाया जाता है)

सवाल – पकौड़ों को इंग्लिश में क्या कहते हैं?

उत्तर- पकौड़े को इंग्लिश में Fritters कहते हैं। हालांकि ये वर्ड सभी प्रकार के पकौड़ों के लिए प्रयोग होता है बस इसके आगे आपको आलू या प्याज का इंग्लिश नेम लिखना होता है।

सवाल- भारत में ऐसा कौन सा भोजन है, जो चारकोल के ऊपर सेंक कर पकाया जाता है?

उत्तर-तंदूरी को चारकोल के ऊपर सेंक कर पकाया जाता है।

सवाल- सोते ही समय क्यों आते हैं सपने?

उत्तर-वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, सोते समय में हर व्यक्ति दो-तीन बार सपने देखता है। कुछ उसे याद रहती हैं तो कुछ भूल जाते हैं। सोते समय व्यक्ति की जो मानसिक स्थिति होती हैं, उसी से जुड़े सपने दिखाई देते हैं।

सवाल- कौन सी नदी अपना रंग बदलती रहती है?

उत्तर- इस नदी का नाम है कैनो क्रिस्टल्स, जो कोलंबिया में बहती है। इस नदी की खासियत ऐसी है कि यह हर मौसम के साथ अपना रंग बदलती हैं।

सवाल- टीपू सुल्तान किस युद्ध में शहीद हुए थे?

उत्तर-यह एक ट्रिकी सवाल है इसका जवाब है-टीपू सुलतान अपने आखिरी युद्ध में शहीद हुए थे।

सवाल- भारत का राष्ट्रीय पेय क्या है?

उत्तर-17 अप्रैल 2013 को चाय भारत का राष्ट्रीय पेय घोषित किया गया। ●

फ्लूएंट इंग्लिश बोलने के लिए अपनाएं ये टिप्स

अंग्रेजी भले ही केवल एक भाषा मात्र है लेकिन इसकी महत्ता अकादमी, स्पोर्ट्स, कारोबार और नौकरी में बेहद ज्यादा है। यदि आप अंग्रेजी की जानकारी नहीं रखते तो आपकी सफलता को अधूरा ही माना जाता है। अंग्रेजी का ज्ञान केवल लिखने के लिए ही नहीं बोलने के क्रम में भी महत्वपूर्ण है और इसकी प्रैक्टिस बेहद जरूरी है। अंग्रेजी बोलना ही सिर्फ काफी नहीं बल्कि फर्राटेदार अंग्रेजी बोलना जरूरी है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिनकी मदद से आप अपनी अंग्रेजी बोलने की क्षमता को बेहतर कर सकते हैं।

1. ज्यादा से ज्यादा अंग्रेजी बोलें

कहते हैं प्रैक्टिस करने से इंसान बेहतर बन जाता है और रोजाना अंग्रेजी बोलने का प्रयास हमारी अंग्रेजी बोलने की क्षमता को सुधार सकता है। अगर आप एक ऐसे देश में रहते हैं जहां अंग्रेजी नहीं बोली जाता वहां आप किसी टीचर की सहायता ले सकते हैं या किसी एक्सपर्ट से अंग्रेजी में बातें कर सकते हैं। जोर-जोर से अपने बारे में बताएं और खुद से बात करें।

2. पर्सनल टीचर हायर करें

अगर आप सच में फ्लूएंट अंग्रेजी बोलना चाहते हैं तो पर्सनल टीचर जरूर हायर करें। पर्सनल टीचर आपको आपके प्रोग्रेस के बारे में बारीक जानकारियां देंगे जिससे आपका ओवरऑल परफॉर्मेंस बेहतर होगा। आप हर दिन अपने सारे डाउट्स एक-एक कर के टीचर से पूछ सकते हैं और बेस्ट फीडबैक प्राप्त कर सकते हैं।

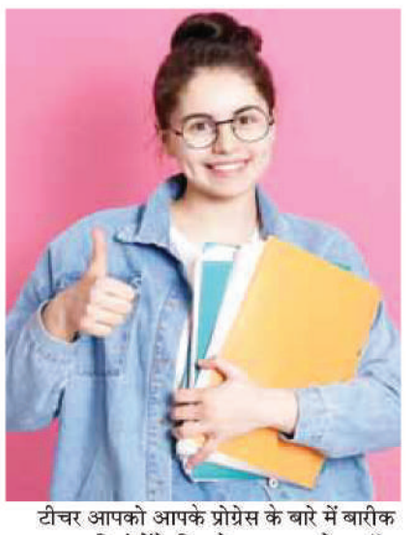

3. अंग्रेजी को जिंदगी का हिस्सा बनाएं

यदि आप सच में अंग्रेजी सीखने के शौकीन हैं तो अंग्रेजी को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाएं। आप चाहें कोई गैजेट इस्तेमाल करते हैं या कोई सर्विस इस्तेमाल करते हैं। हर जगह अंग्रेजी को पहले नंबर पर रखें। अगर कोई टीवी शो हिंदी में आता है तो उसे अंग्रेजी सबटाइटल के साथ ही देखें। ज्यादा से ज्यादा अंग्रेजी किताबों को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाएं।

4. उच्चारण पर ध्यान दें

बेहतर अंग्रेजी बोलने के लिए आवश्यक है उच्चारण पर खास ध्यान देना क्योंकि अंग्रेजी कितनी भी बेहतर हो अगर उच्चारण ठीक नहीं है तो यह आकर्षक नहीं लगती।

उच्चारण के लिए आवश्यक है कि जोर-जोर से बोलकर शब्दों को पढ़ा जाए। उच्चारण बेहतर होने पर अंग्रेजी अपने आप खूबसूरत लगने लगती है।

5. इंग्लिश ग्रामर(व्याकरण) पर अधिक ध्यान न दें

फ्लूएंट अंग्रेजी बोलने की राह पर ग्रामर की अशुद्धियां अक्सर पीछे छूट जाती हैं। ग्रामर का ध्यान रखना आवश्यक है। लेकिन धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने के राह में हमें ग्रामर की अशुद्धियों पर अधिक ध्यान नहीं देना चाहिए।

6. टेक्नोलॉजी का अधिक करें इस्तेमाल

टेक्नोलॉजी के इस जमाने में अंग्रेजी सीखना बिल्कुल मुश्किल नहीं है। आप घर बैठे टेक्नोलॉजी की मदद से धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना सीख सकते हैं। आप चाहें तो वर्चुअल टीचर की सहायता से अंग्रेजी सीख सकते हैं।

7. केवल बोलने की प्रैक्टिस से ही मिलेगी सफलता

रोज घर पर बोलने की प्रैक्टिस करते रहिए। प्रैक्टिस करते रहने से फ्लूएंट अंग्रेजी बोलने में मदद मिलेगी। ●

क्या है ईमेल मार्केटिंग

अगर आपको भी ई मेल मार्केटिंग आती है तो आप 25 से 30 हजार रुपये महीने की जॉब आसानी से पा सकते हैं। क्या आप जीमेल, या या किसी अन्य ऐप पर एक अकाउंट रन कर रहे हैं और हर रोज आपके इनबॉक्स में पचासों अनचाही ईमेल्स आ जा रहीं हैं। ये ई मेल आपको बैंक, मेडिशन कंपनी, एप जैसी कंपनियों की ओर से आ रहे हैं। वहीं कुछ कंपनियां आपको साप्ताहिक न्यूजलेटर भी भेज रही होंगी। दरअसल ईमेल मार्केटिंग एक डिजिटल मार्केटिंग टूल है, जिसमें ईमेल के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को संदेश भेजा जाता है। इसका उद्देश्य उन्हें एक उत्पाद, सेवा, वेबसाइट, या कंपनी के बारे में सूचित करना होता है। आज के समय में हर कंपनी इसका सहारा ले रही है। हो भी क्यूं न सीधे ग्राहक और कंपनी के बीच संवाद की व्यवस्था जो है। इसीलिए हजारों ई मेल मार्केटरों की बाजार में भारी डिमांड है। अगर आपको भी ई मेल मार्केटिंग आती है तो आप 25 से 30 हजार रुपये महीने की जॉब आसानी से पा सकते हैं। ●

ये है देश का अनोखा रेलवे स्टेशन

भारतीय रेल देश की धड़कन है। भारतीय रेल रोजाना लाखों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती है। जानकारी दें कि एशिया में सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। इसके साथ ही रेल नेटवर्क मामले में ही दुनिया में चौथा स्थान भी प्राप्त है। अक्सर देखा गया कि हम ट्रेन में सफर करते हैं लेकिन भारतीय रेल की अनोखी चीजों को देखकर अनदेखा कर देते हैं। लेकिन कभी-कभी भारतीय रेलवे अनोखा काम को आप दरकिनार नहीं कर सकते हैं। क्योंकि इसे देख आप भी हैरान रह जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे अनोखे रेलवे स्टेशन के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं जहां भारतीय रेल ने एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म को 2 किलोमीटर दूर बनाया है। बता दें कि ये पूरे देश में अकेला रेलवे स्टेशन है जहां प्लेटफॉर्म इतनी दूरी पर बने हैं।

यह रेलवे स्टेशन बिहार के बेगूसराय जिले में है। साल 1883 में बरौनी कस्बे के किनारे एक रेलवे स्टेशन बनाया गया और इसे नाम दिया गया बरौनी जंक्शन। बता दें कि यहां से विभिन्न मंडलों में ट्रेनें चलती थीं। उस समय यहां प्लेटफॉर्म की संख्या एक से शुरू होती थी हालांकि इस पर सिर्फ मालगाड़ी खड़ी होती थी। कुछ समय बाद लोगों की शिकायत पर यहां एक और बरौनी जंक्शन बनाने का फैसला किया गया। जहां प्लेटफॉर्म की संख्या 1 ही रखी गई। इसके बाद एक ही जगह पर दो किलोमीटर की दूरी पर दो स्टेशन एक नाम वाले हो गए। फिर रेलवे ने नए बरौनी रेलवे स्टेशन बनने के बाद पुराने रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 1 हटा दिया। जिसके बाद इस रेलवे स्टेशन पर 2 नंबर प्लेटफार्म से ही गिनती होती है। ऐसे में ये पूरे देश में अनोखा रेलवे स्टेशन है जहां प्लेटफॉर्म नंबर एक है ही नहीं। ●

अपने बच्चों का करियर चुनते समय पैरेंट्स न करें ये गलतियां

छात्रों की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा खत्म हो चुकी हैं। अब परीक्षा के बाद जहां 10वीं के बाद छात्रों को अपने स्ट्रीम का चुनाव करना है वहीं 12वीं के बाद छात्रों के पास हायर एजुकेशन के लिए कॉलेज जाने का ऑप्शन मौजूद रहेगा। लेकिन चाहे 10वीं कक्षा के छात्र हो या फिर 12वीं कक्षा के छात्र हो एक बेहतर और सही करियर का चुनाव करना सबसे महत्वपूर्ण बात है। जी हां चुने गए करियर ही उसके भविष्य का निर्माण करता है। छात्र अक्सर करियर का चुनाव एक्सपर्ट, अपने शिक्षकों और अभिभावकों की मदद से करते हैं। ऐसे में आवश्यकता है कि अभिभावक अपने बच्चे का सही मार्गदर्शन करें। आज हम उन जरूरी विषय के बारे में जानेगें। जो एक्सपर्ट के अनुसार आपके बच्चे के करियर चुनाव में मदद करेगी।

पैरेंटल प्रेशर

करियर चॉइस के विषय में आपका बच्चा वैसे ही प्रेशर में रहता है ऐसे में उसपर एक खास करियर चुनने का दबाव न डालें। बच्चे को अपना करियर चुनने की पूरी स्वतंत्रता दें। अगर आप अपने बच्चे को किसी खास करियर में ढकेलते हैं तो वह न तो अच्छा कर पाएगा और न ही मोटिवेटेड रहेगा।

1- अपनी इच्छाओं को न थोपें

करियर का सुझाव देते समय अभिभावक अक्सर अपनी इच्छाएं बच्चे पर थोपना शुरू कर देते हैं। वे कहते हैं कि हम चाहते हैं कि तुम बड़े होकर यह बनो। ऐसा करने से आपका बच्चा बिना मन के उस क्षेत्र में करियर बनाने का प्रयास तो करेगा लेकिन यह जरूरी नहीं कि उसे सफलता मिल जाए। अगर कोई बच्चा अपने मन के अनुसार करियर में आगे बढ़ेगा तो उसे सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा।

2- सोसायटी का न डालें दबाव

जब कोई बच्चा लीक से हटकर किसी करियर का चुनाव करता है तो अक्सर उसे सोसायटी का डर दिखाया जाता है। लोग क्या कहेंगे इस बारे में सोचकर वह अपने पसंदीदा करियर को छोड़ देता है। लेकिन अभिभावकों को अपने बच्चे के करियर के साथ डटकर खड़ा होना पड़ेगा तभी उन्हें सफलता प्राप्त होगी।

3- करियर काउंसलिंग की लें मदद

अगर आपको लगता है कि आप अपने बच्चे को करियर से संबंधित बेहतर सलाह नहीं दे पा रहे। ऐसे में आप किसी भी करियर काउंसलर के पास जाकर मदद ले सकते हैं। काउंसलर के पास जाने के बाद आपके बच्चे को करियर से संबंधित कई ऑप्शन मिलेंगे।

4- टीचर हैं बेहतर काउंसलर

पैरेंट्स ध्यान दें कि काउंसलर बच्चों के टीचर भी हो सकते हैं। अगर आप अपने बच्चे के करियर के विषय में कंफ्यूज हैं तो टीचर से बात करें और उनसे जानने का प्रयास करें कि वे किस विषय में बेहतर कर सकते हैं। ऐसा करने से बच्चा बेहतर करियर बना पाएगा। ●

रोडवेज बस की चपेट में आने से मोपेड सवार की मौत, एक घायल

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना अंतर्गत पूरेधूशाह में शुक्रवार की सुबह मोपेड सवार और उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस से हुई घटना में एक युवक की मौत हो गई ।जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल है। उसे जिला अस्पताल भेजा गया। घटना को लेकर युवाओं में नियार बेला संपर्क मार्ग जाम कर दिया। पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच नोकझोंक हुई। अजगरा चौकी के पुलिस कर्मियों के सामने गुस्साए लोगों ने रोडवेज के शीशे तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिए, घटना को लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है, स्थानीय लोगों का आरोप है कि वाराणसी से आजमगढ़ जाने वाली बसें बहुत तेजी से जाती हैं तो अक्सर दुर्घटना का कारण बनी रहती है। खानपुर थाना क्षेत्र के बहुरा गाजीपुर के रहने वाले बंशराज मौर्या का सबसे छोटा पुत्र शिवराम मौर्य 20 वर्ष अपने पड़ोसी कुलदीप मौर्य के साथ मोपेड से सुबह अजगरा से परचून की दुकान के लिए सामान खरीदने जा रहा था। अजगरा चौकी से 500 मीटर पहले उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस तेजी से नियार होते हुए आजमगढ़ को जा रही थी ।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वाहन तेज था एक महिला को बचाने के बाद ड्राइबर में वाहन का स्टेरिंग काटा नियार की तरफ से अजगरा जा रहे दोनों युवक के सामने ऑटो आने से ओवरटेक करते समय आमने - सामने दोनों मे जोरदार टक्कर हुई घटना। स्थल पर ही शिवराम मौर्य की मौत हो गई। उसका साथी पन्ना मौर्य का पुत्र कुलदीप मौर्य घायल हो गया। दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था ।दुर्घटना होने पर तत्काल स्थानीय लोगों ने वाहन चालक को पकड़कर पिटाई करते हुए। अजगरा चौकी पुलिस भेज दिया सूचना मिलने पर मृतक के परिजनों और गांव के सैकड़ों लोग घटनास्थल पर पहुंच गए मौके पर पहुंची पुलिस में शव को कब्जे में लेकर चोलापुर थाने भेज दिया। घटनास्थल पर जुटे सैकड़ों लोगों ने पुलिस पर जमकर भड़ास निकाली और उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस ईट पत्थर से छतिग्रस्त कर दिये, घटना की सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष राजेश त्रिपाठी तुरंत मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने कहा कि आजमगढ़ से आने जाने वाली बस भी तेजी से आते जाते हैं जिससे दुर्घटना की संभावना हमेशा बनी रहती है थाना अध्यक्ष चोलापुर राजेश त्रिपाठी ने बताया की प्रार्थना पत्र मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। और मुआवजे से संबंधित पत्र अधिकारियों को भेजा जाएगा। मृतक पांच भाई और पांच बहन में सबसे छोटा है। मृतक की मां फुलवंती देवी और उनके परिवार वालों का रो -रोकर बुरा हाल है ।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया की मोपेड और बस के बीच हुई टक्कर में मौत को लेकर लोगों ने कहा कि यदि युवक हेलमेट लगाया होता तो शायद उसकी जान बच जाती है स्थानीय लोगों ने कहा कि मोपेड सवार और वाहन के बीच टक्कर में सर वाहन से टकराने से उसकी मौत हुई हेलमेट होता तो जान बच सकती थी।

प्रेक्षक ने किया मतगणना स्थल का निरीक्षण, दिया आवश्यक दिशा निर्देश

प्रखर केराकत जौनपुर। नगर पंचायत केराकत के मतगणना स्थल का प्रेक्षक ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तैयारियों का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। प्रेक्षक मनोज कुमार सिंह शुक्रवार को मतगणना स्थल केराकत पहुचे। जहां उन्होंने मतगणना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे, टेबलों की संख्या, बैरिकेटिंग आदि को देखा। तथा उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान दो सौ मीटर तक कोई अनावश्यक व्यक्ति प्रवेश न कर पाए। एजेंटों को भी उनके गाइड लाइन का पालन करवाये। गर्मी को देखते हुए पानी पीने की व्यवस्था बेहतर रखे। कोई प्रत्याशी या एजेंट किसी प्रकार की विवादित बाते न करे। इस दौरान एसडीएम केराकत नेहा मिश्रा ने उन्हें मतगणना शांति ढंग से सम्पन्न कराने का भरोसा दिलाया। इस दौरान तहसीलदार अमित त्रिपाठी, नायब तहसीलदार अमित सरोज, सीओ केराकत गौरव शर्मा आदि मौजूद रहे।

14 मई को 18 परीक्षा केंद्रों पर होगी पीसीएस प्री की लिखित परीक्षा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पीसीएस 2023 की लिखित परीक्षा को सकुशल, नकल विहीन संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने सभी सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा केंद्र व्यवस्थापको को दिशा निर्देश जारी किया हैं। जिलाधिकारी ने बताया 14 मई को दो पालीयों में परीक्षा होनी है। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक सामान्य अध्ययनङ्क1, द्वितीय पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 4 30 बजे तक सामान्य अध्ययन 2 की परीक्षा होनी है। यह बताया की इस परीक्षा के लिए पूरे जनपद भर में 18 परीक्षा केंद्र निर्धारित हैं। जिसमें कुल 8000 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए 8 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 18 स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। परीक्षा में कहीं भी नकल होने की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित केंद्र व्यवस्थापक जिम्मेदार होंगे। उन्होंने बताया की परीक्षा के दौरान खाने-पीने की सामग्री, केलकुलेटर, मोबाइल, किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस या अन्य सामग्री लेकर आने पर सख्त प्रतिबंध है ।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया की नामित अधिकारी अपने-अपने परीक्षा केंद्रों का परीक्षा से पूर्व भ्रमण कर वहां भौतिक सत्यापन कर सीसीटीवी कैमरे, पेयजल व अन्य व्यवस्था पूर्व में ही सुनिश्चित कर लें।

मुख्तार के करीबी जफर खान के घर हुई सघन तलाशी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। माफिया मुख्तार अंसारी के खासम खास जफर खान उर्फ चंदा के घर गुरुवार को सीओ हितेंद्र कृष्ण के नेतृत्व में पुलिस ने सदर रोड चौक मोहल्ला स्थित घर पर छापेमारी की। हालांकि छापेमारी की भनक लगते ही मौके पर जफर खान चंदा फरार हो गया। क्षेत्राधिकारी हितेंद्र कृष्ण ने बताया की पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत माफिया मुख्तार अंसारी गिरोह से जुड़े लोगों के ठिकानों पर सघन तलाशी अभियान जारी है। इसी क्रम में आज जफर खां उर्फ चंदा के घर की तलाशी ली गई। मौके पर जफर खान मौजूद नहीं पाया गया। वही घर की महिलाएं उपस्थित मिली। जिनकी उपस्थिति में जफर खान के एक-एक कमरे की तलाशी ली गई। लेकिन किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्तिजनक सामग्री नहीं पाई गई। पुलिस की इस कार्रवाई से पूरे मोहल्ले में हड़कंप मच गया। वही अगल-बगल एवं परिजनों में पुलिस के इस करवाई से अपराध जगत से जुड़े हुए लोगों में दहशत का माहौल बन गया। इस मौके पर मोहम्मदाबाद कोतवाल घनानंद त्रिपाठी, भांवरकोल थाना इंचार्ज सत्येंद्र राय, एसओ करीमुद्दीनपुर के साथ भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

तपिश की बढ़ोतरी बरकरार, तापमान पहुंचा 41 डिग्री के पार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। तीखी धूप और लू चलने से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। भीषण गर्मी में सूरज ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। मई माह में भीषण गर्मी से लोग बेहाल हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक आने वाले दिनों में गर्मी में अभी और बढ़ोतरी होने के संकेत मिल रहे हैं। वर्तमान में 40 से 42 डिग्री के बीच तापमान चल रहा है। दिन के बढ़ने के साथ-साथ लू के थपेड़ों की वजह से लोगों को चेहरे पर कपड़ा बांधकर एवं छाता लेकर घर से निकलना पड़ रहा है। सड़कों पर दोपहर के समय आवाजाही भी कम दिखाई दे रही है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बचाव हेतु क्या करें क्या न करें के बारे में बताया की कड़ी धूप में बाहर ना निकले खासकर 12 बजे से 3 बजे तक। गर्म हवा की स्थिति जानने के लिए टीवी देखें, रेडियो सुने, समाचार पत्र पर स्थानीय मौसम पूवार्नुमान की जानकारी लेते रहे। जितनी बार हो सके पानी पिए। प्यास ना लगी हो तब भी पानी पिए ताकि शरीर में पानी की कमी से होने वाली बीमारी से बचा जा सके। क्या ना करें के बारे में बताया धूप में खड़े वाहन में बच्चे और पालतू जानवरों को ना छोड़े। खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एलमुनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढक कर रखें ताकि बाहर की गर्मी को अंदर आने से रोका जा सके। उन खिड़की दरवाजों पर जिनमें दोपहर के समय गर्म हवा आती है काले कपड़े या पर्दे लगाकर रखें। नशीले पदार्थ शराब तथा अल्कोहल के सेवन से बचें। उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचें। बासी भोजन न करें। साथ ही वर्तमान में फैले कोरोना संक्रमण से बचने के लिए कोरोना गाइडलाइन का पालन करें।

प्रदेश में ई पोश मशीन के सर्वर से जूझ रहे हैं कोटेदार : गिरीश तिवारी

प्रखर वाराणसी। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने बताया कि प्रदेश के इस समय खाद्यान्न वितरण का कार्य शुरू हुआ है। लेकिन ई पोश मशीन के सर्वर नेटवर्क की समस्या से जूझ रहा है पूरा प्रदेश जिसके कारण कोटेदारों और कार्डधारकों की बीच में विवाद पैदा हो रहा है ।पिछले महीने मे भी यही हाल था ।इसके लिए लिखित शिकायत संगठन द्वारा लखनऊ किया गया था। लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ ।जिसकी जानकारी अपर आयुक्त को पत्रक के माध्यम से दे दिया गया है ।अगर दो दिन में इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो 15तारीख से प्रदेश के कोटेदारों वितरण कार्य ठप कर दिया जायेगा ।सारी जिम्मेदारी शासन की होगी।

जखनिया में होगी सादात नगर पंचायत की मतगणना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर निकाय एवं नगर पंचायत चुनाव के मतगणना की तैयारी संबंधित तहसीलों में की गई है। सादात नगर पंचायत की मतगणना जखनियां तहसील में सुबह 8 बजे से प्रारंभ होगी मतगणना की तैयारियों में स्थानीय तहसील प्रशासन जुटा हुआ है। उप जिला अधिकारी जखनिया आशुतोष श्रीवास्तव ने बताया मतगणना का कार्य 3 टेबल पर होना है। एक टेबल पर 8 मतगणना कर्मचारी लगाए जाएंगे। 4 अध्यक्ष पद के मतपत्र इकट्ठा करेंगे और 4 सदस्य पद के मतपत्र इकट्ठा करेंगे। जिसकी गणना की जाएगी। जिस वार्ड के सदस्यों की मतगणना पूरी हो जाएगी संबंधित आरो द्वारा परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। लेकिन अध्यक्ष पद की मतगणना पूरी होने पर ही एक साथ सारे टेबल के परिणाम एकत्रित करके ही उप जिलाधिकारी द्वारा घोषणा की जाएगी। मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपी सिटी ने बताया की त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया गया है। यह बताया की अन्य स्थानों से भी फोर्स की तैनाती रहेगी। नगरपालिका गाजीपुर और नगर पंचायत जंगीपुर की मतगणना स्वामी सहजानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में जबकि नगरपालिका मोहम्मदाबाद का अष्ठ शहीद इंटर कॉलेज मोहम्मदाबाद में, नगर पालिका जमानिया का तहसील मुख्यालय जमनिया में, नगर पंचायत सैदपुर का टाउन नेशनल इंटर कॉलेज सैदपुर में, नगर पंचायत बहादुरगंज का नेशनल इंटर कॉलेज कासिमाबाद में, नगर पंचायत सादात का तहसील मुख्यालय जखनिया में एवं नगर पंचायत दिलदार नगर का कम्पोजित विद्यालय सेवराई में होगा।

आजमगढ़ जिले के कोटा में स्थित ब्रम्ह बाबा का स्थान आज भी है रहस्यमय

प्रखर आजमगढ़। आइए जिन्हें बहुत कुछ अंधविश्वास लगता है, उन्हें कुछ प्रमाण देने का प्रयास करते हैं ।जानते हैं साहब! लोगों के अनुसार ये बात आजमगढ़ जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर पूरब में स्थित गांव कोटा के श्री सेवक ब्रम्ह बाबा की हैं,आज से लगभग सैकड़ों साल पहले यही ब्रम्ह बाबा जब

भविष्यवाणी के बाद लोग करते हैं पूजा

जीवित थे तो इनका ब्याह हुआ और ब्याह के बाद इनका गौना (द्विरागमन) हुआ ।और गौना के बाद सप्ताह ही बीता था की वह गांव में ही स्थित अपने खेत पर देख रेख करने गए, कुछ विद्वेष की भावना रखने वाले क्षत्रियों ने चर्मकारों को इतना चढ़ा दिया की जब वह खेत पर आएं तो उन्हें प्रताड़ित करना। फिर क्या था वह गए ही थे की हल जोतते हुए उस मजदूर को उन्होंने कह दिया की हमारी जमीन है इसमें हल मत चलाओ,बस तुरंत उस मजदूर ने पलट कर जवाब दिया की हट जाओ नहीं तो इसी डंडे (बैल हांकने वाला डंडा) से मार दूंगा ।फिर वह(ब्रम्ह बाबा) वहां से

मौन होकर घर चले आए और आकर अपनी बहन और मां से कहा की हमें उस मजदूर ने मारने को कहा,तो उनके घर की औरतों ने कहा की आपको सभी मार सकते हैं ।बस उनको यही बात लग गई, और वही जनेऊ धारी ब्राह्मण खूंटी पर टंगी हुई अपनी पीली धोती को उठाए और खड़ाऊ को पहनने के बाद चल दिए ।कुछ ही दूर पर गांव के किनारे ब्रम्ह बाबा के घर से दक्षिण दिशा में स्थित एक कुऐं में कूदकर उन्होंने अपने प्राण को त्याग दिया ।और जैसे ही इधर इनकी मृत्यु हुई उधर जो द्रोही थे उनके घरों में आग लग गई। उसके बाद जब उस कुएं से लाश को निकाला गया, तो वहीं भविष्यवाणी हुई की मेरी लाश को गंगा जी से जल लाकर स्नान कराया जाए और बालू के द्वारा यहीं चौरी बनाई जाए ।यह भी हुई की गढ्ढा खोदकर खड़े ही मुझे गाड़ा जाए यहीं आज से पूजा होगी। और उनके द्वारा बताई गई सभी बातों का पूरे ग्रामवासियों ने अनुसरण करते हुए विधिवत उनका स्थापन किया। जानते हैं साहब! यदि यह किसी एक की बात होती तो कोई गांव में किसी लाश को दफन नहीं करने देता, लेकिन सभी ग्रामवासियों ने सुना और समझा,उसके बाद इस क्रिया को विधि पूर्वक किया गया। तबसे लेकर आज तक वही ब्रम्ह बाबा स्थित हैं लोग मांगलिक ,वैवाहिक कार्यक्रम से पहले ब्रम्ह बाबा की पूजा करते हैं। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं है कि भगवान राम को भी एक बार ब्राह्मण के आगे विनम्रता पूर्वक झुकना पड़ा था,और परशुराम जी से हाथ जोड़कर रामचंद्र जी ने कहा था कि - राम मात्र लघु नाम हमारा। परसु सहित बड़ नाम तोहारा।।अर्थात :-हे नाथ! हमारी और आपकी बराबरी कैसी? कहिए न, कहाँ चरण और कहाँ मस्तक! कहाँ मेरा राम मात्र छोटा सा नाम और कहाँ आपका परशुसहित बड़ा नाम ।देव एकु गुनु धनुष हमारें। नव गुन परम पुनीत तुम्हारें।। सब प्रकार हम तुम्ह सन हारे। छमहु बिप्र अपराध हमारे।हे देव! हमारे तो एक ही गुण धनुष है और आपके परम पवित्र (शम, दम, तप, शौच, क्षमा, सरलता, ज्ञान, विज्ञान और आस्तिकता ये) नौ गुण हैं। हम तो सब प्रकार से आपसे हारे हैं। हे विप्र! हमारे अपराधों को क्षमा कीजिए॥

माहवारी स्वच्छता पर रैली निकालकर किया जागरूक

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। लोक समिति और आशा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री संसदीय क्षेत्र के बेनीपुर,करधना और भीटकुरी गांव में मासिक स्वच्छता का आयोजन किया गया। इस दौरान लड़कियों और महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरित किया गया। कई गांव से आई लड़कियों और महिलाओं ने माहवारी पर जागरूकता रैली निकाली।

रैली में शामिल महिलाएं व लड़कियां माहवारी पर चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ जीवन से नाता जोड़ो। मां बनने पर गर्व है फिर माहवारी पर क्यों शर्म है। पीरियड का खून नहीं तुम्हारी सोच गंदी है। जैसे नारे लगा रही थीं। सभी के हाथों में पोस्टर भी थे जिन पर माहवारी स्वच्छता पर स्लोगन लिखे थे। इस दौरान माहवारी स्वच्छता पर सभा का आयोजन किया गया। जहां माहवारी को लेकर भ्रांतियों और संकोच को छोड़ने पर चर्चा हुई। लोक समिति संयोजक नन्दलाल मास्टर ने बताया कि माहवारी स्वच्छता पखवाड़ा अभियान 28 मई विश्व माहवारी दिवस तक चलेगा. अभियान के तहत आराजी लाइन और सेवापुरी ब्लाक के तीस गांव में जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक,पर्चा वितरण और सेनेटरी पैड बांटकर लोगों को जागरूक किया जायेगा. कार्यक्रम में मुख्य रूप अनीता, आशा, राजकुमारी, शीला, सोनी, नीलू, कविता, पूनम, ज्योति, सुषमा, कंचन, आरती, सोनम, प्रीति, सरिता आदि मौजूद रहीं।

संक्षिप्त खबरें

भाकपा माले की दो दिवसीय बैठक भदौरा में संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भाकपा माले जिला कमेटी की दो दिवसीय बैठक शुक्रवार को ब्लाक भदौरा के क्रवनिया में पार्टी कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि भाकपा माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि महिला पहलवानों के यौन उत्पीडन के मामले में दर्ज मुकदमा के आरोपी बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी के सवाल पर भाजपा सरकार की चुप्पी ही बृजभूषण सिंह को संरक्षण देना है। प्रशासन बृजभूषण सिंह को तत्काल गिरफ्तार नहीं करती है तो यहां भी आन्दोलन तेज किया जाएगा। कुशवाहा ने कहा कि कानून का हवाला देते हुए भाजपा सरकार ने दिलदारनगर में वर्षो से पुराना जारी पशु मेला हाट पर रोक लगा कर क्षेत्र के किसानों की पशु पालन से आय को ही खत्म कर दिया है। गाजीपुर में अफीम फैक्ट्री स्थापित होने के बावजूद जिले के किसानों के बीच से अफीम की खेती छिन कर बाहर भेज दिया गया है। मोदी ने 2022 तक किसानों की दोगुना आय करने की घोषणा किए थे जो हवा हवाई साबित हुई है। भाजपा की गौ रक्षा के नाम पर गांव गांव आवारा पशुओं से किसानों की खड़ी फसलों को बर्बाद किया जा रहा है आदि किसान मजदूर सवालों पर 8 जून 2023 को दिलदारनगर में विशाल किसान मजदूर पंचायत किया जाएगा, जिसमें हजारों किसान मजदूर भाग लेंगे। बैठक में तय हुआ कि गरीबों को शुद्ध पीने की पानी, मनरेगा में काम, नाली खड़ंजा और दिल्ली में जारी महिला पहलवानों का आन्दोलन के समर्थन में 15 मई 2023 को सेवराई तहसील मुख्यालय पर धरना के माध्यम से मांग पत्र दिया जाएगा। और ध्वस्त कानून व्यवस्था का पुतला दहन करने पर खानपुर थाना में दर्ज माले नेताओं फर्जी मुकदमे की वापसी को लेकर दिनांक 19 मई 2023 को जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा, शशिकांत कुशवाहा, योगेन्द्र भारती, रामप्रवेश कुशवाहा, सतेन्द्र प्रजापति, चन्द्रावती देवी, विजय कुमार, गोरख राजभर, मोती प्रधान, विजय बनवासी, बुचीलाल, आदि ने सम्बोधित किया।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने लिया मतगणना स्थल का जायजा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। तहसील मुहम्मदाबाद यूसुफपुर स्थानीय नगरपालिका अंतर्गत अष्ट शहीद इंटर कालेज पर नगर निकाय चुनाव के मतदान उपरांत मतपेटिकाओं को स्ट्रांग रूम में रखा गया है। पुलिस बल इसकी निगरानी में लगातार चाक चौबंद है। पूरे जनपद भर में तीन नगरपालिका 5 नगर पंचायत की मतगणना 13 मई शनिवार को होनी है। जिले के विभिन्न मतगणना स्थलों के निरीक्षण के दौरान मोहम्मदाबाद स्थित अष्ट शहीद इंटर कॉलेज में भी शुक्रवार को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। मतगणना स्थल पर साफ सफाई , विद्युत आपूर्ति व पेयजल व्यवस्था का भी जायजा लिया। मतगणना स्थल का जायजा लेने के बाद मातहतों को दिशा निर्देश दिया। मतगणना स्थल पर सभी कार्यों को पूरा कर लिया गया है ।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी भारत भार्गव, तहसीलदार विजय प्रताप सिंह व कोतवाली पुलिस बल पर्याप्त मात्रा में उपस्थित रहे।

चोरों का फिर निशाना बना सरकारी भवन, ताला चटका कर हुई घटना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर जगन ग्राम पंचायत भवन का ताला तोड़ कर उसमें रखें सरकारी कागजात सहित कई अन्य समान अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि मंगलवार की शाम कर्मचारियों द्वारा पंचायत सचिवालय में ताला बंद कर चले गये थे। दुसरे दिन सुबह प्रधान प्रतिनिधि मैनेजर यादव टहलने गयें तो सचिवालय के गेट का ताला टूटा देख संबंधित अधिकारियों सहित पुलिस को सूचना दी गई। प्रधान सुषम यादव ने बताया कि अंदर रखा दो बैटरी इनवर्टर प्रिंटर सहित अन्य जरुरी समान चोर उठा ले गयें है। मौके पर पहुंचीं पुलिस ने जाचं में जुट गईं। कोतवाली प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि प्रधान की तरफ से तहरीर दी गई है मामले की जांच कराईं जा रहीं हैं।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं